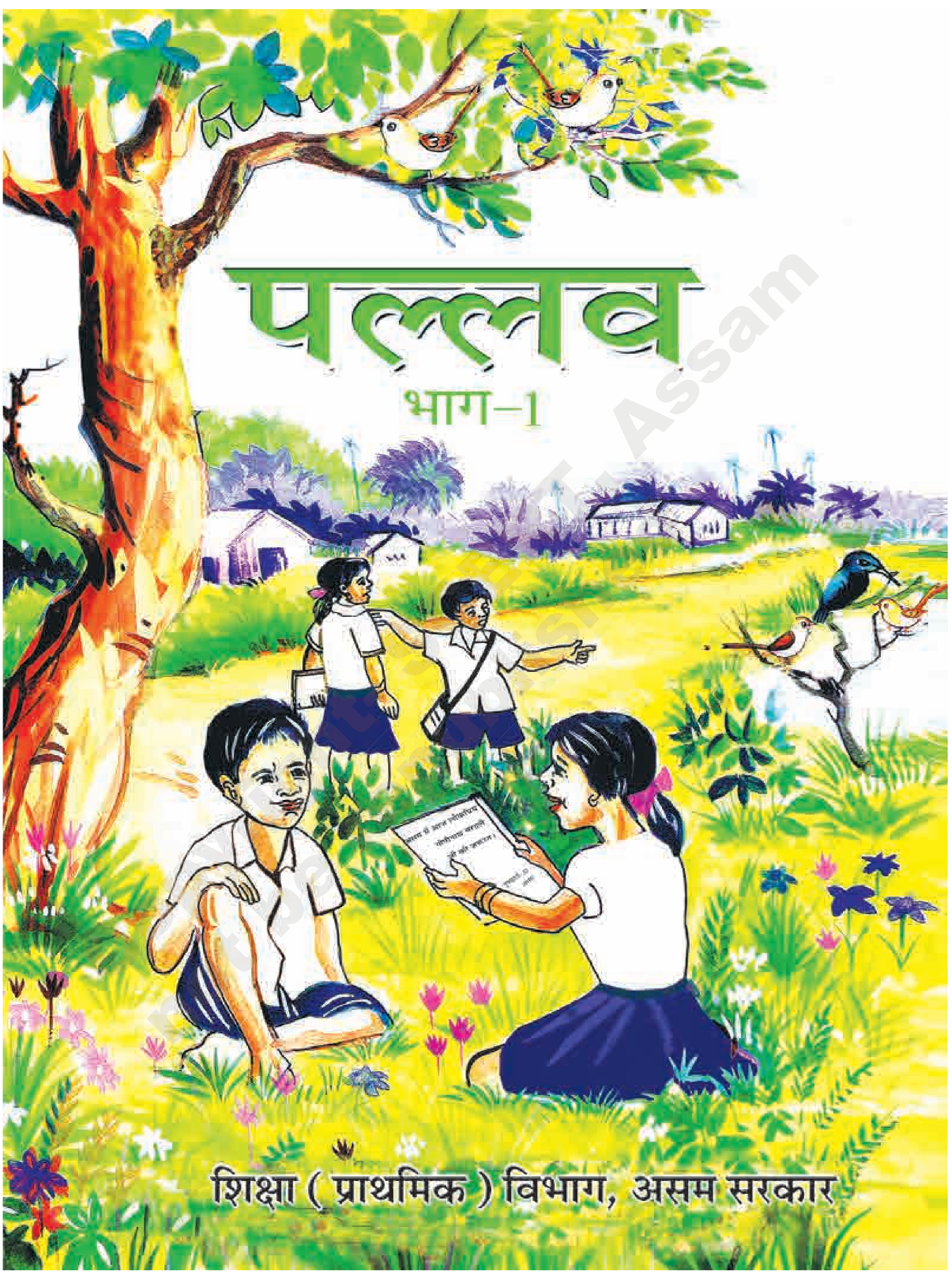

पल्लव

भाग–1

शिक्षा (प्राथमिक) विभाग, असम सरकार

वंदेमातरम्

वंदेमातरम्, वंदेमातरम्!!
सुजलां, सुफलां, मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलां मातरम्, वंदे मातरम्!
शुभ्र-ज्योत्स्नापुलकितयामिनीम्
फुल्ल-कुसुमित-द्रुम दल शोभिनीम्
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां, वरदां, मातरम्!
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!!

– बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

Copyright: SCERT, Assam
not to be republished

पल्लव

भाग-1

(छठी कक्षा के लिए हिंदी की पाठ्य एवं अभ्यास पुस्तक)

प्रस्तुतिकरण

राज्यिक शिक्षा-गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद्, असम

नाम : ....

विद्यालय का नाम : ....

शाखा : .... क्रम संख्या : ....

Copyright- SCERT Assam
not to be republished

PALLAV, BHAG - I : A textbook cum workbook for class VI in Hindi for Non-Hindi Medium Schools, developed by State Council of Educational Research and Training (SCERT) and Published by Asom Rastrabhasha Prachar Samiti, Guwahati - 32, Assam, Approved by the Government of Assam Vide letter no. PMA.103/2011/5, dated Dispur the 27th May, 2011

Free Textbook

All right reserved : No reproduction in any form of this book, in part (except for brief quotation in critical articles or reviews), may be made without written authorization from the publisher.

© : SCERT, Assam.

प्रथम प्रकाशन : 2011
पुनर्मुद्रण : 2012
पुनर्मुद्रण : 2013
पुनर्मुद्रण : 2014
पुनर्मुद्रण : 2015
पुनर्मुद्रण : 2016
पुनर्मुद्रण : 2017
पुनर्मुद्रण : 2018
पुनर्मुद्रण : 2019
पुनर्मुद्रण : 2020
पुनर्मुद्रण : 2021
पुनर्मुद्रण : 2022

प्रकाशक : असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी

शिक्षा अधिकार कानून - 2009 के अनुसार बच्चों को मातृभाषा सीखने के साथ-साथ क्लासिकल भाषाएँ सीखने का भी अधिकार है। अत: इसी बात को ध्यान में रखते हुए एस. सी. ई. आर. टी, असम ने नई पाठ्यचर्या प्रस्तुत की है, जिसमें त्रिभाषा नीति में कुछ संशोधन किया गया है। इसके अनुसार विद्यार्थी संपूर्ण तीसरी भाषा (100%)अथवा तीसरी भाषा (50%)+अन्य चौथी भाषा (50%) ले सकते हैं। संपूर्ण तीसरी भाषा के लिए पूरी किताब और तीसरी भाषा (50%) +चौथी भाषा (50%)के लिए पाठ संख्या 1, 2, 3, 4, 5, 6, 9, 10, 14 और 16 निर्धारित हैं।

(टैक्स्ट पेपर 70 जीएसएम और कवर पेपर 165 जीएसएम पर मुद्रित)

मुद्रक : चंद्रकांत प्रेस प्रा.लि.
चंद्रकांत हाजरिका पथ
तरुण नगर, गुवाहाटी-5

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

डॉ. रनोज पेगु, एम.बी.बी.एस.
मंत्री, असम

सत्यमेव जयते

शिक्षा, मैदानी जनजाति और
पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग

संदेश

विद्यालयीन शिक्षा का आवश्यक हिस्सा है – पाठ्यपुस्तक। विद्यार्थी अपनी पाठ्यपुस्तक के माध्यम से ही ज्ञान अर्जित करते हैं। विद्यार्थी ही हमारे राज्य व देश के भविष्य के वास्तविक संसाधन हैं। मानव सभ्यता की धारा शिक्षा द्वारा ही गतिमान होती है। इन बातों को ध्यान में रखकर ही वर्तमान में हमारी सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को सर्वाधिक महत्व दिया है।

मौजूदा राज्य सरकार ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक सफलता दिलाने के साथ-साथ उनके जीवन के लक्ष्यों की पूर्ति तथा राज्य के कल्याण के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को लागू किया है। **प्रज्ञान भारती** के तहत नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक के अंतर्गत **क वर्ग** से **द्वादश वर्ग** तक के विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक अविराम रूप से दी जा रही है। सन् 2020 से हमारी सरकार ने इस योजना को स्नातक वर्ग तक विस्तारित किया है। समूचे राज्य में उच्चतर माध्यमिक और स्नातक वर्गों में नामांकन शुल्क की माफी की घोषणा होने से एक सकारात्मक पहल की शुरुआत हुई है।

समाज में आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के शिक्षार्थियों को मैट्रिक एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं के शुल्कों को माफ करने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही माध्यमिक स्तर पर भी विद्यार्थियों की पोशाकों (यूनीफॉर्म) की आपूर्ति के लिए सरकार ने आवश्यक व्यवस्था की है। **आनंदराम बरुवा योजना** के जरिए मैट्रिक पास मेधावी छात्र-छात्राओं को **लैपटॉप** या उसके बदले में आर्थिक अनुदान देने की व्यवस्था की गई है।

विद्यार्थियों के शिक्षण-मार्ग को सुगम बनाने के महान उद्देश्य से कार्यान्वित **प्रज्ञान भारती** योजना के तहत नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण जैसे पवित्र कार्यों के निष्पादन में योगदान दे रहे राज्यिक शिक्षा-गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद्, असम माध्यमिक शिक्षा परिषद्, असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा संसद तथा असम राज्यिक पाठ्यपुस्तक प्रणयन और प्रकाशन निगम एवं असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति को मैं धन्यवाद देता हूँ। ज्ञानार्जन की दिशा में हमारे विद्यार्थी निरंतर परिश्रम करते हुए राष्ट्र के संसाधन के रूप में अपने आप को निर्मित करने में सक्षम होंगे। इसी आशा के साथ मैं उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ प्रदान करता हूँ।

रनोज पेगु

(डॉ. रनोज पेगु)
शिक्षा मंत्री, असम

Copyright SCERT, Assam
not to be republished

पाठ्यपुस्तक की प्रस्तुति से संबंधित व्यक्ति

कार्यशाला में शामिल व्यक्ति

डॉ. अच्युत शर्मा : एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी
श्री गोलोक चंद्र डेका : व्याख्याता, गुवाहाटी कॉलेज, गुवाहाटी
श्री अरविंद कुमार शर्मा : व्याख्याता, बी. बरुवा कॉलेज, गुवाहाटी
श्री कुल प्रसाद उपाध्याय : प्राध्यापक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार
श्री रामनाथ प्रसाद : सहायक साहित्य सचिव, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी
श्री दिलीप चंद्र शर्मा : शिक्षक, कॉटन कॉलेजिएट हायर सेकेंडरी स्कूल, गुवाहाटी
डॉ. विनीता नाथ : शिक्षिका, गड़चूक जातीय विद्यालय, गुवाहाटी
श्री सुरेश सिंह : शिक्षक, टी.आर.पी. हिंदी हाईस्कूल, मालीगाँव, गुवाहाटी
श्री हेमंत कुमार राभा : विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, नारंगी आंचलिक महाविद्यालय, गुवाहाटी
श्री पुण्यव्रत बरदलै : व्याख्याता, हिंदी विभाग, नारंगी आंचलिक महाविद्यालय, गुवाहाटी

विशेष सहयोग

श्री मृदुला बरुवा : प्राध्यापक, एस.सी.ई.आर.टी, असम
श्री लक्ष्मी कांत दास : व्याख्याता, एस.सी.ई.आर.टी, असम
श्री सुभाष सूत्रधर : सहायक शिक्षक, नॉर्मल स्कूल, बंगाईगाँव
श्री गुणाभिराम बड़ा : एस.सी.ई.आर.टी, असम

पुनरीक्षण

डॉ. अच्युत शर्मा : एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी
प्रोफेसर हरिशंकर : क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, गुवाहाटी

भाषा-संशोधन

श्री रामनाथ प्रसाद : सहायक साहित्य सचिव, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी

संकलन, संपादन एवं अलंकरण

डॉ. सुष्मिता सूत्रधर दास : विभागाध्यक्षा, पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यचर्या विभाग, एस.सी.ई.आर.टी, असम
श्रीमती सुवला दत्त शइकीया : व्याख्याता, पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यचर्या विभाग, एस.सी.ई.आर.टी, असम

सी.आर.सी. और इलास्ट्रेशन

श्री जयंत भागवती, श्री विचित्र शर्मा

तत्वावधायक

श्री बगाधर देउरी
संयुक्त निदेशक
एस.सी.ई.आर.टी, असम

सलाहकार

डॉ. सुष्मिता सूत्रधर दास
विभागाध्यक्षा, पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यचर्या विभाग,
एस.सी.ई.आर.टी, असम

समन्वयक

श्रीमती सुवला दत्त शइकीया
व्याख्याता, पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यचर्या विभाग,
एस.सी.ई.आर.टी, असम

डी.टी.पी.

श्री लाचित दास, श्री श्यामंतक डेका, श्री अलकेश भराली

Copyright SCERT, Assam
not to be republished

आमुख

असम राज्यिक शिक्षा–गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.) ने तृतीय भाषा की उपयोगिता तथा विद्यार्थियों की आयु–सीमा को ध्यान में रखते हुए छठी कक्षा के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक **पल्लव, भाग-1** तैयार की है। सरकार ने अधिसूचना संख्या - PMA.103/2011/5 दिनांक Dispur, the 27th May 2011 के अनुसार शैक्षिक वर्ष 2011 से पाँचवीं कक्षा को निम्न प्राथमिक स्तर में शामिल किया है। **इस तरह उच्च प्राथमिक स्तर में छठी से आठवीं तक हिंदी–शिक्षण अनिवार्य है।** राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005 को ध्यान में रखते हुए राज्यिक शिक्षा–गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद्, असम ने तृतीय भाषा शिक्षण के लिए नई पाठ्यचर्या का निर्माण किया है। पाठ्यचर्या में सन्निविष्ट संस्तुतियों के आधार पर हिंदीतर भाषी विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर पर इस पाठ्यपुस्तक का प्रणयन किया गया है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्यपुस्तक को योग्यता आधारित, कार्यकलाप समन्वित एवं आनंददायक बनाने का प्रयास किया गया है। पुस्तक को अधिक आकर्षक बनाने के लिए यथास्थान रंग–बिरंगे चित्रों का समावेश किया गया है। साथ ही विषयवस्तु को केवल रटने पर जोर न देकर अपेक्षित ज्ञान एवं कौशलों को प्राप्त करने पर अधिक महत्व दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक में प्रतिष्ठित कवि–साहित्यकारों के लोकप्रिय एवं बहुप्रचलित गीत, कविताएँ, कहानियाँ आदि संकलित की गई हैं। उन्हें हम श्रद्धा से स्मरण करते हैं। उच्च प्राथमिक स्तर से विश्वविद्यालय स्तर तक के शिक्षक–शिक्षिकाओं, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के अनुभवी व्यक्तियों, केंद्रीय हिंदी संस्थान सहित अनेक शैक्षिक संस्थानों के सहयोग से कार्यशालाओं के जरिए यह पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है। जिन व्यक्तियों के अथक प्रयत्न से प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक को अध्येता–वर्ग के सामने लाना संभव हुआ है, उनके प्रति परिषद् आभार व्यक्त करती है। प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक के प्रणयन में असम सर्वशिक्षा अभियान मिशन से प्राप्त आर्थिक सहायता के लिए हम आभारी हैं।

सरकार के निर्देशानुसार निर्धारित अवधि के भीतर ही पाठ्यपुस्तक का प्रणयन किया गया है। अत: पाठ्यपुस्तक में कुछ अनिच्छाकृत त्रुटियाँ रह जाना स्वाभाविक हैं। इसके लिए मान्य शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं पाठकों के सुझाव आमंत्रित हैं।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार राज्यिक शिक्षा गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद् ने हिंदी पाठ्यपुस्तक **पल्लव भाग-1** में पाई गई कुछ अनिच्छाकृत त्रुटियों को संशोधन कर विद्यार्थियों के लिए प्रस्तुत किया गया हैं।

(डॉ. निरदा देवी)
निदेशक
राज्यिक शिक्षा–गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद्, असम

काहिलीपाडा, गुवाहाटी
दिसम्बर, 2022

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

पाठ्यपुस्तक से संबंधित दो बातें

(*शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रति*)

असम सरकार ने सन 2011 से पाँचवीं कक्षा को उच्च प्राथमिक स्तर से अलग करके निम्न प्राथमिक स्तर में शामिल कर दिया है और उच्च प्राथमिक स्तर में छठी कक्षा से आठवीं तक की कक्षाओं को अंतर्भूक्त किया है। अत: विद्यार्थियों की आयु को ध्यान में रखकर 'पल्लव, भाग-1' नामक इस पाठ्यपुस्तक को प्रारंभिक स्तर पर प्रणयन किया गया है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। नई राज्यिक पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने के प्रयास हैं। इसलिए हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें। इस पाठ्यपुस्तक का मुख्य उद्देश्य है- दैनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी भाषा को समझना तथा बोलचाल की क्षमता का विकास करना। साथ ही दैनिक जीवन में आवश्यक वार्तालाप, संभाषण, पारिवारिक पत्र, आवेदन-पत्र आदि के लिए उपयुक्त भाषा व्यवहार में दक्षता बढ़ाना।

इन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर 'पल्लव, भाग-1' में विभिन्न प्रकार के कुल सोलह पाठ शामिल किए गए हैं- इनमें गीत, कविताएँ, कहानियाँ, वर्णनमूलक लेख आदि हैं। पहले 6 पाठों को वर्ण-ज्ञान तथा संख्या-ज्ञान को ध्यान में रखकर प्रस्तुत किया गया है। **प्रारंभिक पाँच पाठों में बच्चों को हिंदी वर्णमाला का ज्ञान कराने का प्रयास हुआ है। अत: शिक्षक-शिक्षिका कक्षा में स्वयं ये पाठ एकाधिक बार पढ़कर सुनाएँ, चर्चा करें, फिर पढ़ने में विद्यार्थियों की सहायता करें।**

विद्यार्थियों के मनोविज्ञान के आधार पर प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में अलग-अलग पृष्ठभूमि रखी गई है और नए-पुराने कौशलों एवं शैलियों का प्रयोग किया गया है, ताकि सभी पाठ-शिक्षण-कार्य के दौरान इन बातों पर जरूर ध्यान रहें।

पाठ की विषयवस्तु को आनंदप्रद बनाने के साथ प्रत्येक पाठ में दी गई अभ्यास-माला को आकर्षक बनाने की कोशिश की गई है। अभ्यास-मालाओं में प्रश्नों को आकर्षक तथा मनोग्राही ढंग से पेश करने का प्रयास किया गया है। इनमें पाठ आधारित प्रश्नों के अलावा सामूहिक चर्चा, विषय, परियोजना और हमारे चारों ओर के वातावरण के संबंध में ज्ञान अर्जित करने की भी सुविधा दी गई है। इसके अतिरिक्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ विभिन्न जन संचार माध्यमों के जरिए विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्ति में योगदान देंगे।

'पल्लव, भाग-1' में अभ्यास-मालाओं के जरिए व्याकरण-शिक्षण की व्यवस्था रखी गई है। पाठों में दी गई अभ्यास-मालाओं में क्रमानुसार व्याकरण-शिक्षण की व्यवस्था है। व्याकरण-शिक्षण में प्रायोगिक व्यवस्था को अधिक महत्व दिया गया है। इस पाठ्यपुस्तक में 'आओ, जान लें' शीर्षक के अंतर्गत व्याकरणिक तथ्यों की व्याख्या करने के अलावा विद्यार्थियों के सामूहिक ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास भी है। शिक्षक-शिक्षिका अपनी सुविधा और समय के अनुसार पर्याप्त उदाहरणों से विद्यार्थियों के प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने की व्यवस्था करें तो अधिक लाभप्रद होगा। तीसरी भाषा हिंदी के विद्यार्थियों के लिए छठी कक्षा में व्याकरण की अलग पाठ्यपुस्तक की व्यवस्था नहीं है। अत: सभी पाठों के साथ व्याकरण-शिक्षण की व्यवस्था है। शिक्षक-शिक्षिकागण अपने अनुभव से विद्यार्थियों के 'व्याकरणिक ज्ञान' को बढ़ाने का प्रयास अवश्य करें।

हिंदी में कुछ शब्दों की वर्तनी वैकल्पिक रूपों में प्रचलित है, जैसे- हिंदी/हिन्दी, परंतु/परन्तु, गए/गये, गई/गयी, लिए/लिये, चाहिए/चाहिये, गड्ढे/गडढे, खट्टा/खटटा आदि। प्रस्तुत पुस्तक में सरलता एवं एकरूपता की खातिर हिंदी, परंतु, गए, गई, चाहिए, गड्ढ, खट्टा- जैसे रूपों का प्रयोग किया गया है।

शिक्षक-शिक्षिकागण पाठों में संलग्न 'शिक्षण-संकेत' पर ध्यान दें और संकेत के अनुसार सीखने में विद्यार्थियों की सहायता करें। भाषा-ज्ञान, वार्तालाप की क्षमता आदि बढ़ाने के उद्देश्य से शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए सामूहिक चर्चा या पाठ पढ़ाते समय हिंदी में बातचीत करना अत्यंत आवश्यक है। वे विद्यार्थियों को हिंदी में बातचीत करने हेतु प्रोत्साहन अवश्य दें। सभी पाठों के अंत में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखकर पाठ में प्रयुक्त नए शब्दों के अर्थ दिए गए हैं।

अत: व्यवस्थागत सुधारों और प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के लिए आपकी टिप्पणियों और सुझावों का स्वागत है।

Copyright SCERT, Assam
not to be republished

कहाँ, क्या है

आमुख — V

पाठ्यपुस्तक से संबंधित दो बातें — VI

1.	हम होंगे कामयाब (गीत)	8 - 11
2.	स्वर–माला (कविता)	12 - 18
3.	धैर्य का पाठ (जातक कथा)	19 - 25
4.	धरती माता का पत्र	26 - 33
5.	लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै	34 - 40
6.	आओ गिनती करें (कविता)	41 - 44
7.	गाँव की सैर	45 - 51
8.	हिंद देश के निवासी (गीत)	52 - 56
9.	चलो, तेजपुर चलें	57 - 63
10.	बाघ और बटोही (चित्रकथा)	64 - 69
11.	प्रकृति का संदेश (कविता)	70 - 74
12.	अभ्यास की महिमा	75 - 80
13.	मन के जीते जीत	81 - 86
14.	मैं सबसे छोटी होऊँ (कविता)	87 - 89
15.	होली आई रे	90 - 95
16.	खेल और सेहत	96 - 102
17.	पाठों में निहित योग्यताएँ	103 - 104

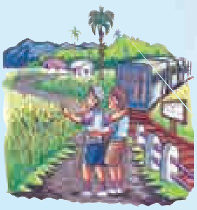

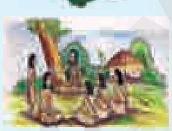

– गिरिजा कुमार माथुर

होंगे कामयाब, होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब एक दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन

होगी शांति चारों ओर
होगी शांति चारों ओर
होगी शांति चारों ओर
एक दिन

हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
होगी शांति चारों ओर एक दिन

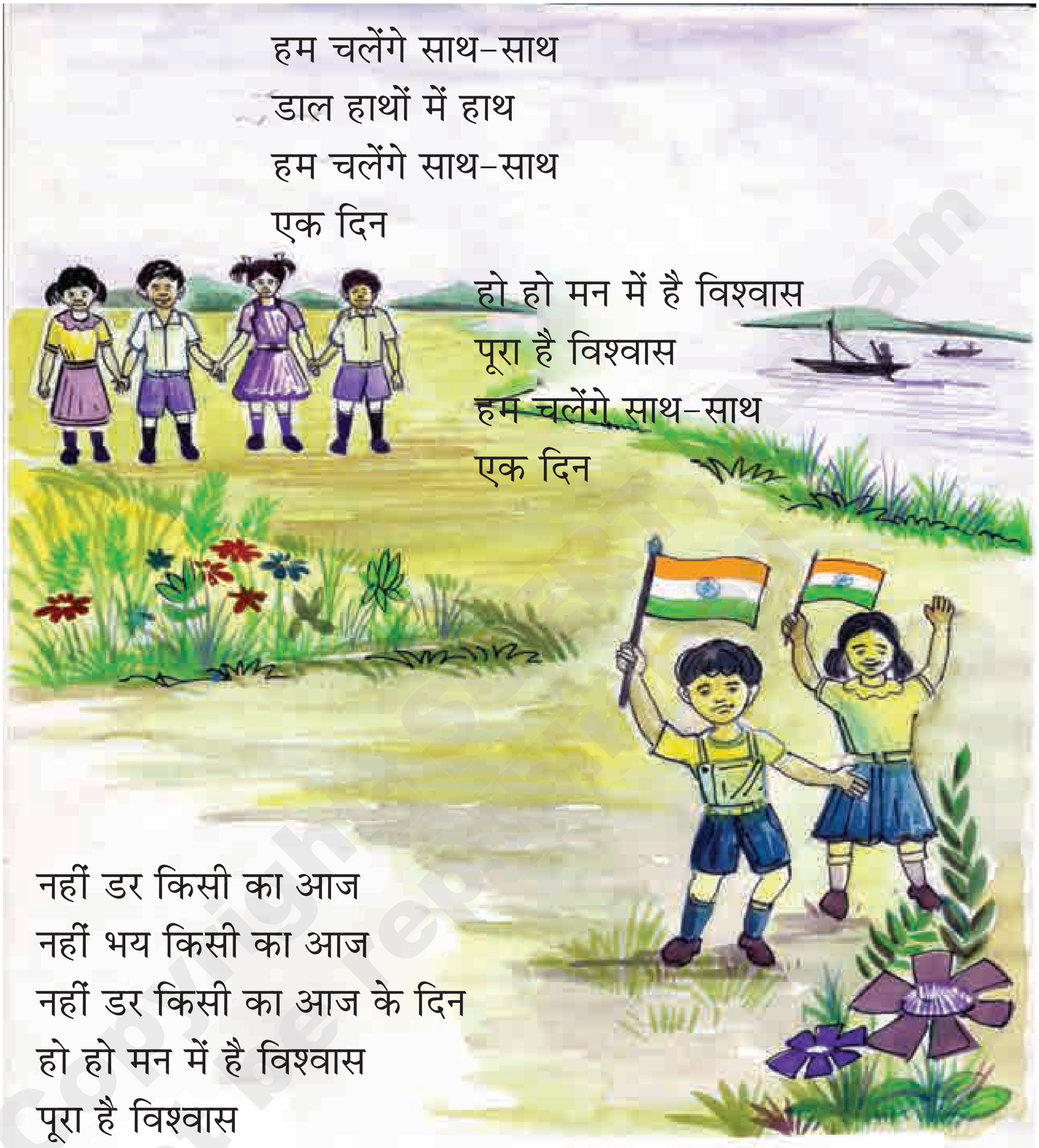

हम चलेंगे साथ-साथ
डाल हाथों में हाथ
हम चलेंगे साथ-साथ
एक दिन

हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
हम चलेंगे साथ-साथ
एक दिन

नहीं डर किसी का आज
नहीं भय किसी का आज
नहीं डर किसी का आज के दिन
हो हो मन में है विश्वास
पूरा है विश्वास
नहीं डर किसी का आज के दिन

शिक्षण संकेत यह गीत केवल गाने की दृष्टि से रखा गया है। शिक्षक-शिक्षिका इस गीत को स्वयं गाकर बच्चों को सुनाएँ और उन्हें अपने साथ-साथ गवाएँ।

स्रोत : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'आओ मिलकर गाएँ'

अभ्यास-माला

1. 'हम होंगे कामयाब' की तरह और कोई समूह में गाने लायक गीत खोजो और कक्षा में गाकर सुनाओ।

2. हम कहाँ-कहाँ कामयाब यानी सफल हो सकते हैं ? आओ, बताएँ :

हम हिंदी सीखने में कामयाब होंगे।

हम खेल के मैदान में कामयाब होंगे।

हम -------------- कामयाब होंगे।

हम -------------- कामयाब होंगे।

3. इन चित्रों को ध्यान से देखो और बताओ ये किस-किस सेवा में कामयाब हुए हैं ?

डॉक्टर

4. अब बताओ, तुमलोग क्या-क्या बनना चाहते हो और क्यों ?

मैं ------- बनना चाहता हूँ ;

क्योंकि ------------------------------------।

5. आओ, समूह में चर्चा करें और बताएँ :

(क) हम कैसे कामयाब हो सकते हैं ? ....

(ख) हम साथ-साथ चलकर क्या-क्या कर सकते हैं ? ....

6. आओ, पाठ के आधार पर बताएँ :

क) हमें किस बात का विश्वास है ? ....

ख) एक दिन चारों ओर क्या होगी ? ....

ग) हम कैसे चलेंगे ? ....

घ) हमें किसी का डर है क्या ? ....

7. आओ, अपना-अपना परिचय दें :

मेरा नाम .... है।

मैं .... कक्षा में पढ़ता / पढ़ती हूँ।

मेरी उम्र .... साल है।

मेरा शौक .... है।

मेरे विद्यालय का नाम .... है।

8. आओ, इस गीत का सरल अर्थ जान लें :

हमें पूरा विश्वास है कि एक दिन आएगा जब हम सफलता प्राप्त करेंगे और संपूर्ण विश्व में शांति का साम्राज्य होगा। हम हमेशा बिना किसी भय के साथ-साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

9. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

कामयाब	=	सफल	डर	=	भय
ओर	=	दिशा, तरफ	पूरा	=	संपूर्ण, परिपूर्ण

Copyright SCERT, Assam
not to be republished

पाठ-2

स्वर-माला

अनार के दाने लाल-लाल,
आम भी हैं मीठे रसाल।
इमली की चटनी इतनी खट्टी,
ईख का रस मगर मीठा जी।

उल्लू सोता रहता दिनभर,
ऊँट कराता रेगिस्तान का सफर।

ऋषि-मुनि बड़े ज्ञानी होते,
ऋषभ को हम बैल भी कहते।
एड़ी ठोंककर सलाम करते,
ऐनक लगाकर दादाजी पढ़ते।

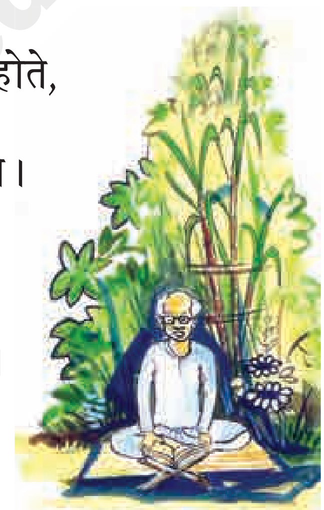
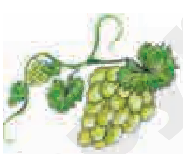

ओखली भरती है अनाज से,
औरत-आदमी संग-संग बढ़ते।

अंगूर खट्टे हैं लोमड़ी कहती,
आँगन में लोग लगाते तुलसी।

शिक्षण संकेत शिक्षक-शिक्षिका इस कविता का सस्वर वाचन कर विद्यार्थियों को सुनाएँ। फिर विद्यार्थी उनके साथ-साथ दोहराने की कोशिश करें।

Copyright SCERT, Assam
Not to be republished

अभ्यास-माला

1. आओ, इन्हें देखें और बताएँ :

अनार

आ······

उ······

ऊँ······

ओ······

औ······

2. आओ, इन्हें पहचानें और बोलें :

अ आ उ ऊ ओ औ

3. आओ, इन वर्णों से बननेवाले शब्दों को जानें :

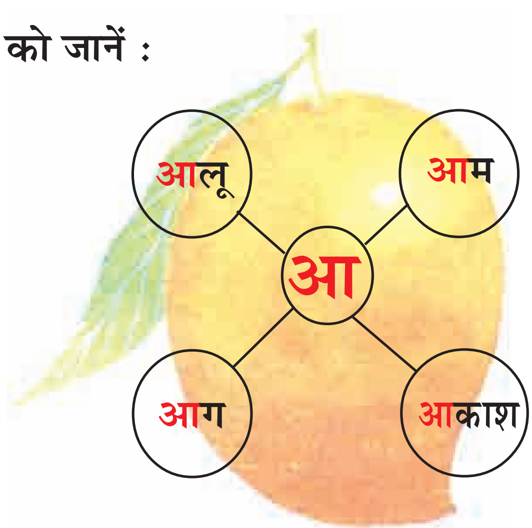

Copyright- SCERT, Assam
Not to be republished

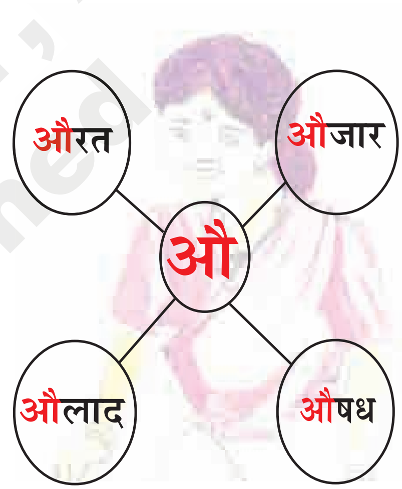

4. आओ, अब इन्हें लिखने का अभ्यास करें :

उ   ऊ   अ   आ   ओ   औ

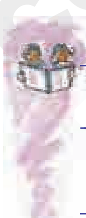

उ

Copyright SCERT, Assam
not be republished

5. आओ, चित्रों को देखकर खाली जगह भरें :

········ ल्लू

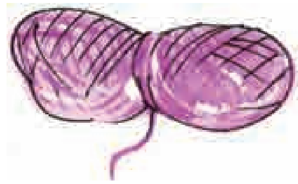

········न

········खली

········ग

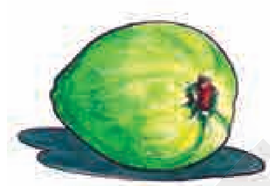

········मरूद

········रत

6. आओ, अब इन्हें भी पहचानें और बोलें :

इ	ई	ए	ऐ
इमली	ईख	एक	ऐनक
इनाम	ईद	एड़ी	ऐलान
इमारत	ईश	एकतारा	ऐरावत

7. आओ, इन्हें पूरा करें : 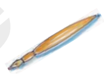

(क)

··· ख
श

··· म ली
ला
ज

··· ड़ी
क

··· न क
ला
न

© Copyright SCERT, Assam not to be republished

(ख)

अ	••••	इ	••••
उ	••••	ऋ	ए
••••	ओ	••••	अं

8. आओ, अब 'ऋ', 'अं', और 'अ:' वर्णों को जानें :

अ:
- दु:ख
- अत:
- छ:

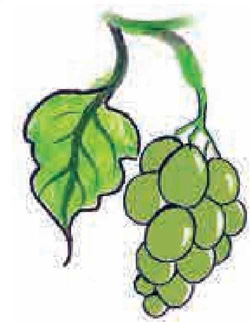

ऋ
- ऋक्ष
- ऋषभ
- ऋषि

अं
- अंग
- अंडा
- अंगूर

9. आओ, खाली जगह भरें :

ऋ →	..........षि	..........षभ
अं →	..........डा	..........गूर
: →	दु....ख	अत....

Copyright SCERT, Assam not be republished

10. आओ, स्वर वर्णों को क्रम से पढ़ें :

अ	आ	इ	ई
उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ
अं	अः		

11. आओ, पहचानें और पढ़ें :

आ	उ	ई	अ
इ	ऋ	ऊ	औ
ऐ	अं	ए	अः
	ओ		

Copyright- SCERT, Assam not to be republished

शिक्षण संकेत

शिक्षक-शिक्षिका बच्चों को स्वर वर्ण पढ़ने तथा लिखने का अभ्यास कराएँ। स्वयं श्याम-पट्ट पर एक-एक वर्ण लिखें और बच्चों से बारी-बारी से लिखवाएँ।

12. आओ, इनमें कौन-कौन से स्वर वर्ण हैं, बोलें और लिखें :

अमल	आम	इमारत	ऋषि	ईश
अ	....	....	....	....
ऊन	उधर	खाओ	औषध	ऐसा
....	....	....	....	....

13. आओ, इन वर्णों से बने शब्दों से आद्यक्षरी खेलें :

इ → इमली, इनाम, ...

ई → ईश, ...

ए → एकतारा, ...

ऐ → ऐनक, ...

ऋ → ऋषि, ...

अं → अंग, ...

14. आओ, इसे भी जानें :

ऑ → ॉ - डॉक्टर, रॉकेट, कॉफी, कॉलेज, हॉकी, ऑफिस

15. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

इमली	=	एक प्रकार का खट्टा फल	ऋषभ	=	बैल
ईख	=	गन्ना	सफर	=	भ्रमण
मगर	=	किंतु, परंतु	अनाज	=	अन्न
रेगिस्तान	=	मरुभूमि	ऐलान	=	घोषणा
औलाद	=	संतान	लोमड़ी	=	गीदड़ के आकार का जंगली पशु
ऐनक	=	चश्मा			

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

पाठ-3

धैर्य का पाठ

(जातक कथा)

गौतम बुद्ध के जीवन से संबंधित नीतिपरक कथाओं को हम जातक कथा के रूप में जानते हैं। इस पाठ में धैर्य के महत्व के बारे में बताया गया है।

पुराने जमाने की बात है। गौतम बुद्ध एक गाँव से दूसरे गाँव पैदल जा रहे थे। साथ में उनके शिष्य भी थे। उस दिन बहुत गर्मी थी। क्षणभर विश्राम के लिए वे एक वृक्ष के नीचे तृण पर बैठ गए। उन्होंने एक शिष्य से कहा– ''बहुत प्यास लगी है। कहीं से थोड़ा जल ले आओ।'' शिष्य ने आस-पास देखा। वहाँ एक छोटा-सा पोखर था।

पोखर में एक बैल जल पी रहा था। शिष्य वहीं से जल लेने के लिए आगे बढ़ा। उसे देखकर बैल डर गया और जल से होता हुआ निकल भागा। इससे जल गंदा हो गया। शिष्य ने सोचा– ''गंदा जल गुरु के लिए ले जाना ठीक नहीं होगा।''

वह फिर आगे बढ़ा। चारों तरफ देखा, पर उसे जल का दूसरा स्रोत दिखाई नहीं दिया। वह थक गया। वापस आकर उसने सारी घटना बुद्ध को सुनाई। शिष्य की बात सुनकर बुद्ध मुस्कराए और बोले– ''पुनः तुम उसी पोखर के पास जाओ। अगर इस बार भी जल गंदा हो, तो कुछ समय रुक जाना। पर जल लेकर ही लौटना।''

बुद्ध की आज्ञा मानकर शिष्य वहाँ पुनः गया। इस बार उसने देखा कि जल निर्मल है। गंदगी नीचे बैठ गई है। शिष्य अब पात्र में जल भर कर बुद्ध के पास लौटा।

बुद्ध ने उसे पास बुलाकर कहा– ''इस छोटी-सी बात को तुम सदा याद रखना। इससे तुम्हें धैर्य का पाठ मिलेगा। जब भी तुम्हारा मन अशांत हो, तो उसे थोड़ा समय देना। मन की मलीनता और अशांति बैठ जाएगी। मन अपने आप शांत हो जाएगा।''

बुद्ध की अनमोल बातें सुनकर शिष्य का चित्त प्रसन्न हो गया।

शिक्षण संकेत

शिक्षक-शिक्षिका इस जातक कथा को स्वयं पढ़कर विद्यार्थियों को सुनाएँ और समझाएँ। इस पाठ के माध्यम से विशेषत: स्वरों की मात्राएँ और व्यंजन वर्णों को सिखाने का प्रयत्न करें।

अभ्यास-माला

1. आओ, इस कहानी को कक्षा में अपने ढंग से सुनाएँ।

2. इस तरह की और जातक कथाओं का संग्रह करो और उनमें से अपनी पसंद की एक कहानी कक्षा में सुनाओ।

3. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो :

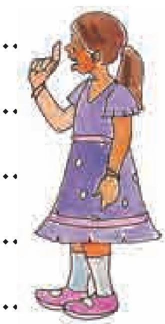

(क) गौतम बुद्ध कहाँ जा रहे थे? ....

(ख) बुद्ध ने अपने शिष्य से क्या कहा? ....

(ग) शिष्य जल लाने के लिए कहाँ गया? ....

(घ) पोखर का जल गंदा क्यों हो गया? ....

(ङ) अंत में बुद्ध ने शिष्य से क्या कहा? ....

(च) बुद्ध की अनमोल बातों का शिष्य पर क्या प्रभाव पड़ा?

4. प्रस्तुत जातक कथा से हमें क्या सीख मिलती है? आओ, चर्चा करें।

....

....

5. देखो, समझो और बताओ :

(क) तुम अपने विद्यालय कैसे आते-जाते हो? चित्र देखकर सही का निशान (✓) लगाओ और बताओ:

Copyright- SCERT, Assam not be republished

(ख) तुमने इनमें से किस साधन पर टिकट खरीद कर, पैसा चुका कर और मुफ्त में सवारी की है ?

सवारी	टिकट लगेगा	पैसा लगेगा	मुफ्त
बस	बस		
रिक्शा			
साइकिल			
गोदी			
बैलगाड़ी			
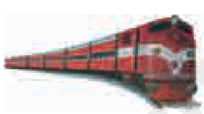 रेलगाड़ी			

(ग) पुराने जमाने में लोग किन स्रोतों से जल पीते थे ? आओ, जानें :

पोखर

नदी

झरना

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

(घ) आजकल पोखर, नदी, झरने आदि का जल प्रदूषित होने के कारण पीने लायक नहीं माना जाता है। तुम शुद्ध पेयजल के लिए इनमें से कौन–से स्रोत का उपयोग करते हो ? चिह्नित करो:

नल ☐ **कुआँ** ☐ **चापाकल** ☐

⇒ इनके अलावा और कौन–से स्रोतों से पीने का पानी पाया जाता है, बताओ।

....

6. निम्नांकित प्रश्नों के दिए गए उत्तरों में से एक सही है। सही उत्तर का चयन करो :

(क) गौतम बुद्ध एक गाँव से दूसरे गाँव .... जा रहे थे।

(अ) पैदल (आ) घोड़े पर (इ) हाथी से (ई) पालकी पर

(ख) शिष्य पोखर की तरफ बढ़ा तो .... डरकर जल से होता हुआ निकल भागा।

(अ) बकरी (आ) बैल (इ) सियार (ई) गाय

(ग) बुद्ध ने शिष्य से कहा, ... लेकर ही लौटना।

(अ) फल (आ) जल (इ) दूध (ई) कपड़ा

7. (क) आओ, इन वाक्यों में प, ज, ब और ग वर्ण कितनी बार आए हैं, खोजें और घेरें:

पोखर में एक बैल जल पी रहा था। शिष्य वहीं से जल लेने के लिए आगे बढ़ा। उसे देखकर बैल डर गया और जल से होता हुआ निकल भागा। इससे जल गंदा हो गया।

Copyright-SCERT, Assam not be republished

(ख) आओ, पाठ में आए इन शब्दों को पढ़ें :

पोखर, बैल, बुद्ध, जल, गंदा, गाँव, गौतम

(ग) आओ, अब हम म, न, भ, य, त, र, ल वर्णों को पाठ में ढूढ़ें और इनसे बने शब्दों को पढ़ें :

र = रथ, राजा, रानी, रेल

त = तालाब, तोता, किताब, कबूतर

य = यज्ञ, धैर्य, यह, गाय

ल = लाल, माला, गुलाल, जल

म = मछली, मलीनता, माँ, माता

भ = भालू, भाला, भारत, भोजन

न = नाव, नयन, नल, नाना

8. आओ, अब इन वर्णों में से सही वर्ण चुनकर शब्दों को पूरा करें :

प	ज	म	ग	न	भ	य	थ	त	ल

र		
	ह	
ज		
	दी	
न		
	म	
	भ	
का		ज
ग	ल	
	र	त
	मी	न

Copyright: SCERT, Assam
not to be republished

9. आओ, मात्राओं को सीखें और खाली जगह भरें :

क् + आ = का	क् + इ = कि	क् + ई = की	ग् + आ = □
ग् + □ = गि	□ + ई = गी	क् + उ = कु	क् + ऊ = कू
क् + ऋ = कृ	□ + उ = सु	स् + ऊ = □	स + □ = सृ
क् + ए = के	क् + ऐ = कै	क् + ओ = को	म् + □ = में
□ + ऐ = मैं	म् + ओ = □	क् + औ = कौ	द् + □ = दौ

आ = ा	इ = ि	ई = ी	उ = ु	ऊ = ू
ऋ = ृ	औ = ौ	ए = े	ऐ = ै	ओ = ो

10. आओ, यह भी जानें :

गौतम बुद्ध का जन्म ई. पू. 563 में वैशाख पूर्णिमा के दिन कपिलवस्तु नामक स्थान पर हुआ था। उनके बाल्यकाल का नाम सिद्धार्थ था। पूर्णिमा तिथि को उन्हें बोध प्राप्त हुआ था और अंत में उनका निर्वाण भी इसी तिथि को हुआ। वे बौद्ध धर्म के प्रवर्तक थे।

11. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

विश्राम	=	आराम	थक	=	थकान	अनमोल	=	अमूल्य
वृक्ष	=	पेड़	वापस	=	लौटना	चित्त	=	मन
पोखर	=	छोटा तालाब	गंदा	=	मैला	गंदगी	=	मैल
स्रोत	=	उत्स	निर्मल	=	साफ, स्वच्छ	प्रसन्न	=	आनंद

© SCERT, Assam not to be republished

धरती माता का पत्र

तुम सब मुझे अच्छी तरह से जानते हो। तुमने मेरे बारे में पढ़ा भी है। अत: मुझे नुकसान मत पहुँचाओ; क्योंकि लोग प्यार से, आदर से मुझे धरती माता कहते हैं। सदियों से मैंने तुम्हें माँ की तरह पाला-पोसा है। लोगों को मैंने अनाज दिया, फल दिए, मकान बनाने के लिए लकड़ी दी, वस्त्र के लिए कपास दी।

लेकिन आजकल ये लोग बड़े कृतघ्न होते जा रहे हैं। ये मेरे जंगल नष्ट कर रहे हैं। मोटरगाड़ियों के धुएँ से मेरी हवा को विषैली बना रहे हैं। कल-कारखानों से गंदा पानी छोड़कर मेरी नदियाँ मैली कर रहे हैं। इनको पता नहीं कि ऐसा गैर-जिम्मेदार बर्ताव करके

वे अपना अनिष्ट स्वयं कर रहे हैं। अब मेरी उम्मीदें तुम जैसे बच्चों पर हैं। जब तुम बड़े बनोगे अच्छी तरह से मेरी देखभाल करोगे। पेड़-पौधे लगाकर अपनी धरती माता को फिर से हरी-भरी बनाओगे।

ध्यान में रखो। जब पेड़-पौधे होंगे, चारों ओर हरा-भरा होगा तो हवा शुद्ध रहेगी। आवश्यक मात्रा में बारिश होगी। फसलें अच्छी होंगी। सभी ओर खुशहाली होगी।

लेकिन यह संतुलन एक बार बिगड़ गया तो सारा भू-भाग एक भयानक रेगिस्तान बन जाएगा।

अब चुनाव तुम्हारे हाथ में है!

तुम्हारी प्यारी

'धरती माता'

साभार : सुबोध भारती, भाग-2

अभ्यास-माला

1. आओ, इन्हें देखें, समझें और नारों को दोहराएँ :

आओ, समूह में बैठकर पर्यावरण संबंधी दो नारे बनाएँ :

2. आओ, जानें :

धरती हमारी माँ है।

पानी हमारा जीवन है।

पेड़ हमारा मित्र है।

3. **आओ, धरती माता के पत्र पर चर्चा करें।**

4. **आओ, चित्र को देखकर बातें करें :**

5. **आओ, नीचे की तालिका से शब्दों के जोड़े बनाएँ :**

आस-पास	आस	पौधे	द्वार	कारखाना	______
______	कल	भरा	काम	पोसा	______
______	हरा	पाला	बाल	पास	______
______	पेड़	घर	बच्चे	काज	

6. **पूर्ण वाक्य में उत्तर दो :**

(क) यह पत्र किसने किसको लिखा है ?

(ख) धरती माता की उम्मीदें किस पर हैं ?

(ग) धरती माता ने वस्त्र के लिए हमें क्या दिया है?

7. आओ, समूह में चर्चा करें और कक्षा में उत्तर प्रस्तुत करें :

(क) धरती माता ने मनुष्य को क्या-क्या दिया है ?

(ख) लोग किस तरह धरती माता को नुकसान पहुँचा रहे हैं ?

(ग) पेड़-पौधे उगाने से क्या होता है ?

(घ) संतुलन बिगड़ जाने से हमारे भू-भाग पर क्या असर पड़ेगा ?

8. आओ, ध्यान से देखें :

(क)	**ऋ**	=	(ृ)	कृतज्ञ, कृतघ्न, कृषक
(ख)	**अं**	=	(ं)	गंदा, जंगल, अंत, अंक
(ग)	**अः**	=	(ः)	अतः, पुनः, प्रातः, छः

➲ अब ऋ, अं, अः का प्रयोग करके चार-चार शब्द बनाओ :

ऋ	....	....	....	....
अं	....	....	....	....
अः	....	....	....	....

9. आओ, देखें और समझें :

(क) लोगों **को** मैंने क्या-क्या नहीं दिया ?

(ख) तुम सब मुझे अच्छी तरह **से** जानते हो।

(ग) कल-कारखानों **से** गंदा पानी छोड़कर मेरी नदियाँ मैली कर रहें हैं।

अब 'को' और 'से' का प्रयोग करके खाली जगह भरो :

(i) राम ने रावण .... मारा।

(ii) बालक छत .... गिर पड़ा।

(iii) कलम .... लिखो।

(iv) प्यासे .... पानी दो।

(v) रोहन .... बुलाओ।

(vi) रीमा घर .... निकली।

10. पर्यावरण के ऊपर एक चित्र बनाओ और अपनी ओर से एक नारा लिखो।

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

11. आओ, रेखांकित शब्दों के विपरीतार्थक/विलोमार्थक शब्द (वृत्त में से) लिखकर खाली जगह भरें:

(क) गोपाल अच्छा लड़का है, लेकिन अब्दुल .... लड़का है।

(ख) नेहा लंबी है, लेकिन उसकी बहन .... है।

(ग) कुणाल सुंदर है, लेकिन उसका भाई .... है।

(घ) नदी का पानी गंदा है, पर नल का पानी .... है।

बुरा
नाटी **असुंदर**
साफ

12. आओ, मात्राओं को पहचानें, सीखें और अभ्यास करें :

अ	आ	ए	ऐ	ओ	औ	उ	ऊ	इ	ई	अं	अः
	ा	े	ै	ो	ौ	ु	ू	ि	ी	ं	ः
क	का	के	कै	को	कौ	कु	कू	कि	की	कं	कः
ख											
प											
म											

13. आओ, सुलेख लिखें :

हमें पेड़-पौधे लगाने चाहिए।

....

....

....

Copyright: SCERT, Assam not to be republished

14. आओ, बारहखड़ी का प्रयोग देखें और लिखें :

आ	ा	आम, नाम, काम, राम ...., ..., ..., ...
इ	ि	दिन, गिन, मिल, किताब ...., ..., ..., ...
ई	ी	चील, झील, तितली, बिजली ...., ..., ..., ...
उ	ु	चुप, कुछ, दुःख, गुड़िया ...., ..., ..., ...
ऊ	ू	फूल, दूध, झूला, लहू, ..., ..., ..., ...
ऋ	ृ	गृह, घृत, नृप, कृषक ...., ..., ..., ...
ए	े	सेब, पेड़, रेल, खेल ...., ..., ..., ...
ऐ	ै	बैल, पैर, थैला, सैनिक ...., ..., ..., ...
ओ	ो	मोर, गोल, ढोल, छोटी ...., ..., ..., ...
औ	ौ	कौआ, पौधा, चौदह, खिलौना ...., ..., ..., ...
अं	ं	हंस, पंख, रंग, अंदर ...., ..., ..., ...
अः	ः	प्रातः, छः, पुनः, दुःख ...., ..., ..., ...

15. (क) आओ, इन पर ध्यान दें :

र् + उ = रु **रुपया, गुरु, रुग्न, रुद्र**

र् + ऊ = रू **रूप, रूमाल, रूपक, रूढ़**

(ख) अब तुम रु, रू लगाकर तीन-तीन शब्द बनाओ :

रु ....

रू ....

Copyright: SCERT, Assam not to be republished

16. (क) आओ, देखें, पढ़ें और सीखें :

च	ज	ञ	ट	ठ	ढ	ढ़	द	ण	प	ष	फ

चट चढ़
चख जल

टल मटर
ठग टमटम

दल दस
गढ़ पल

फल फण
ढमढम ऋषभ

(ख) इन्हें ध्यान से देखो :

च् + अ + ञ् + च् + अ + ल् + अ = चञ्चल / चंचल

क् + अ + ञ् + च् + अ + न् + अ = कञ्चन / कंचन

(ग) आओ, इन वर्णों से शब्द बनाएँ :

कमल
....
....

ल	म	क
न	ग	ब
ट	व	प

....
....
....

17. चित्रों को देखकर वाक्य बनाओ (यह, वह का प्रयोग करके) :

यह कलम है।

वह फूल है।

जान लें

निकटस्थ वस्तु के लिए ***यह*** और दूरस्थ वस्तु के लिए ***वह*** का प्रयोग होता है।

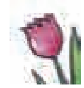

यह कलम नहीं है।

वह कलम है।

18. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

धरती	=	पृथ्वी	नुकसान	=	क्षति
मकान	=	घर	अनाज	=	अन्न
बर्ताव	=	व्यवहार	गैर–जिम्मेदार	=	लापरवाह
संतुलन	=	समता	उम्मीद	=	आशा, भरोसा

© Copyright SCERT, Assam not to be republished

पाठ-5

लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै

शाम का समय है। बीनू अपने कमरे में बैठी है। वह बहुत परेशान है। उसे असम के किसी महान व्यक्ति पर निबंध लिखना है, पर वह कुछ लिख नहीं पा रही है। उसने दीदी विशाखा को अपनी परेशानी बताई।

विशाखा ने मुस्कराकर कहा– "मैं तुम्हें एक व्यक्ति के बारे में बताती हूँ। वे महान व्यक्ति हैं– लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै जी। वे असम के प्रथम मुख्यमंत्री तथा राष्ट्रभाषा हिंदी के हितैषी थे। उनका जन्म 6 जून, 1890 को नगाँव जिले के रहा में हुआ था। उनके पिता का नाम डॉक्टर बुद्धेश्वर बरदलै और माता का नाम प्राणेश्वरी देवी था। उनकी प्राथमिक शिक्षा रहा में प्रारंभ हुई। वे एक मेधावी छात्र थे। उन्होंने सन् 1907 में गुवाहाटी के कॉटन कॉलेजिएट स्कूल से प्रथम श्रेणी में मैट्रिक की परीक्षा पास की। उसके बाद कॉटन कॉलेज से उन्होंने आई.ए. की परीक्षा पास की। उच्च शिक्षा के लिए वे कोलकाता गए। वहाँ से उन्होंने बी.ए., एम.ए. और वकालत की उपाधियाँ प्राप्त कीं।"

बीनू ने पूछा– "दीदी, बरदलै जी की रुचि के बारे में जरा बताइए न!"

"सुनो, मैं बताती हूँ।"

"गोपीनाथ बरदलै एक अच्छे गायक और खिलाड़ी थे। उनकी रुचि नाटक में भी थी। महात्मा गांधी के आह्वान पर वे स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े थे और उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा था। जेल में ही उन्होंने 'श्रीरामचंद्र', 'बुद्धदेव', 'हजरत मुहम्मद' आदि जीवनी ग्रंथों की रचना की। उनके द्वारा रचित अन्य दो ग्रंथ हैं– 'महात्मा गांधी' और 'अनासक्ति योग'।"

"दीदी, आप उनके वैवाहिक और कर्म-जीवन के बारे में जानती हैं क्या?"

© SCERT not to be republished

असम की पूर्व राजधानी शिलांग की एक आमसभा को संबोधित करते हुए लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै जी।

विशाखा ने कहा– ''उत्तर गुवाहाटी के भूमिकांत शर्मा मजिंदार बरुवा की कन्या श्रीमती सुरबाला बरदलै से उनकी शादी हुई थी। वे सादा जीवन और उच्च विचार के थे। वे हमेशा असमवासियों की भलाई के लिए काम व्यक्ति करते थे। असम की जनता उन्हें बहुत चाहती थी, इसलिए उन्हें 'लोकप्रिय' नाम से जाना जाता है।''

''दीदी, बरदलै जी ने हिंदी के लिए क्या-क्या किया था?''

''अच्छा तो यह भी सुनो। बरदलै जी ने 3 नवंबर, 1938 को गुवाहाटी में असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की स्थापना की थी। वे इस समिति के प्रथम अध्यक्ष थे। उनके प्रयास से सन् 1948 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।''

''5 अगस्त, 1950 को उनका स्वर्गवास हुआ। भारत सरकार ने सन् 1999 में उन्हें मरणोपरांत 'भारत रत्न' उपाधि से सम्मानित किया।''

''वाह दीदी! आपने बड़े संक्षेप में बरदलै जी का संपूर्ण व्यक्तित्व प्रकट कर डाला! अब मैं इन पर एक सुंदर निबंध लिख सकती हूँ।''

अपने परिवार के साथ बरदलै जी।

आओ, जानें :

स्वाधीनता आंदोलन के दौरान भारतीय जनता ने हिंदी को 'राष्ट्रभाषा' की पदवी दी थी। वस्तुतः भारतीय संविधान की अष्टम अनुसूची में सम्मिलित हिंदी, असमीया, बांग्ला, तमिल आदि सभी बाईस भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। संविधान के 343वें अनुच्छेद में हिंदी को भारत की **राजभाषा** यानी प्रशासनिक काम-काम की भाषा के रूप में स्वीकार कर लिया गया है।

शिक्षण संकेत

इस पाठ में गोपीनाथ बरदलै की संक्षिप्त जीवनी दी गई है। शिक्षक-शिक्षिका इस पाठ को मनोग्राही बनाने के लिए संदर्भ हेतु कुछ अन्य विशिष्ट व्यक्तियों की जीवनियों की ओर विद्यार्थीयों का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। इस पाठ के अंतर्गत संयुक्त वर्णों को सिखाने का प्रयास करें।

अभ्यास-माला

1. आओ, गोपीनाथ बरदलै के बारे में अपने शब्दों में बताएँ।

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो :

(क) पाठ में किस महान व्यक्ति का उल्लेख हुआ है ?

(ख) बरदलै जी की प्राथमिक शिक्षा कहाँ प्रारंभ हुई ?

(ग) गुवाहाटी विश्वविद्यालय की स्थापना कब हुई ?

3. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) बरदलै जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ? ....

(ख) उनके माता-पिता के नाम लिखो। ....

(ग) बरदलै जी द्वारा रचित किन्हीं दो ग्रंथों के नाम लिखो। ....

(घ) असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की स्थापना कब हुई और इसके प्रथम अध्यक्ष कौन थे ? ....

(ङ) बरदलै जी को भारत सरकार ने किस उपाधि से सम्मानित किया ?

....

4. असम में अनेक स्वाधीनता सेनानी हुए। नीचे कुछ तस्वीरें दी गई हैं। शिक्षक की सहायता से कक्षा में इनके बारे में चर्चा करो :

कनकलता बरुवा

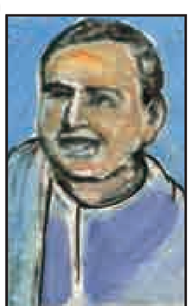

तरुणराम फुकन

चंद्रप्रभा शइकियानी

नवीन चंद्र बरदलै

5. एक-एक शब्द लिखो (वृत्त से चुन कर) :

गाना गाने वाला – ....

खेल खेलने वाला – ....

सेवा करने वाली – ....

वकालत करने वाला – ....

हित चाहने वाला – ....

लोगों में प्रिय – ....

गायक
खिलाड़ी
वकील
सेविका
हितैषी
लोकप्रिय

6. इन वर्णों से बनने वाले एक-एक शब्द लिखो :

ख – खरगोश,	....	**द** – दवा,	....	**फ** – फल,	....
घ – घर,	....	**ध** – धरती,	....	**य** – यमुना,	....
छ – छाता,	....	**प** – पिता,	....	**व** – वकील,	....

7. इन्हें पहचानो और याद करो :

झ	श	ह	क्ष	त्र	ज्ञ

8. वृत्त में आए वर्णों से शब्दों को देखो और पढ़ो :

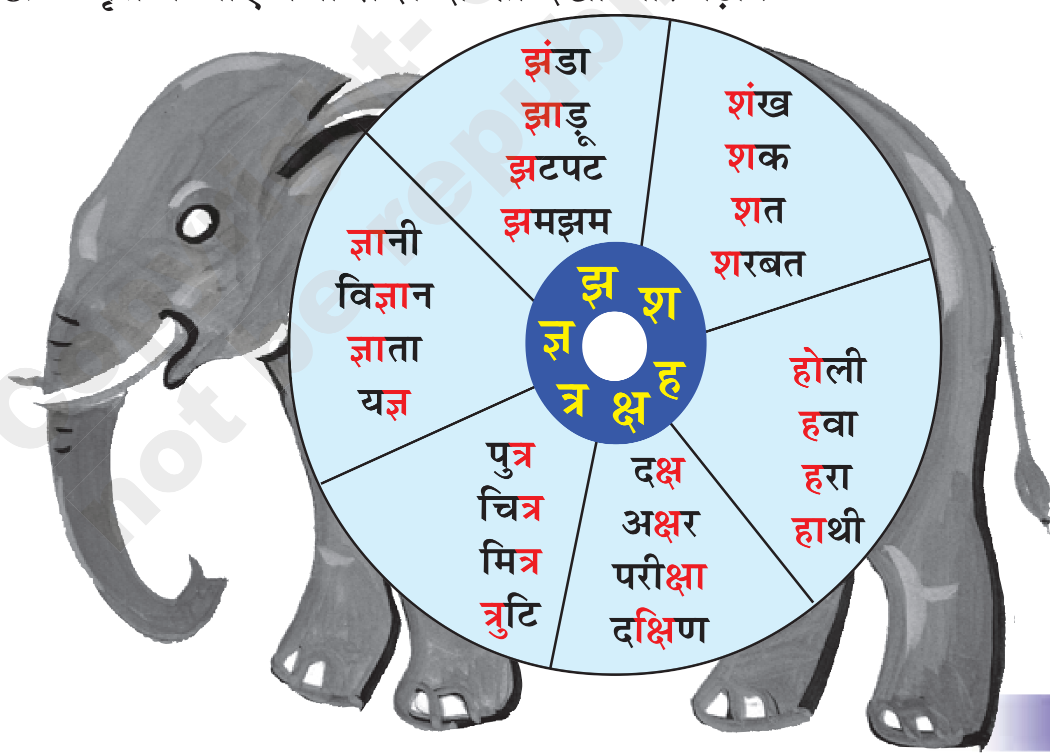

SCERT, Assam
not to be republished

9. आओ, व्यंजन वर्णों को क्रम से पढ़ें :

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	
ड़	ढ़			

10. आओ, पहचानें और बताएँ :

ग ख क
श ङ ज्ञ ञ
च झ छ ट
ढ ज

ण न द
थ ध त प
ढ़ ब व स
फ र

भ घ ष
म ह क्ष त्र
ड ड़ य श्र
ढ ल

शिक्षण संकेत शिक्षक-शिक्षिका अपने से वर्णों का वृत्त बनाकर बच्चों को वर्ण पहचानने में सहयोग दें।

Copyright SCERT, Assam
not be republished

11. आओ, सही वर्णों से नीचे के चौखटों को भरें :

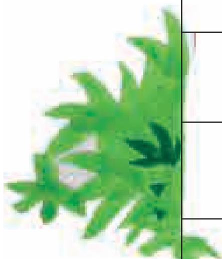

क				
	छ			
		ड		
			ध	
				म

12. आओ, वर्णों के मेल के बारे में जानें, सीखें और खाली जगहों में लिखें :

क्+य=क्य	क्या, वा.......	क्+क=क्क	पक्का, अ....ल
च्+छ=च्छ	अच्छा, म.......र	च्+च=च्च	बच्चा, क.......ा
प्+ल=प्ल	प्लावन, वि.......व	ट्+ट=ट्ट	खट्टा, छु.......ी
स्+त=स्त	पुस्तक, रा.......ा	त्+त=त्त	उत्तर, स.......र
स्+थ=स्थ	स्थान, प्र.......ान	न्+न=न्न	गन्ना, प.......ा
ल्+प=ल्प	संकल्प, क.......ना	प्+प=प्प	चप्पल, ग.......
ब्+द=ब्द	शब्द, अ.......	म्+म=म्म	सम्मान, स.....ानीय
ल्+ल=ल्ल	बिल्ली, दि.......ी	स्+स=स्स	रस्सी, गु.......ा

13. इन्हें ऐसे भी लिखा जाता है, ध्यान से देखो और समझो :

ङ्+क = ङ्क	अंक/अङ्क	द्+द = द्द/द्‌द	उद्देश्य/उद्‌देश्य
ञ्+च = ञ्च	अंचल/अञ्चल	द्+व = द्व/द्‌व	विद्वान/विद्‌वान
ण्+ड = ण्ड	झंडा/झण्डा	द्+ध = द्ध/द्‌ध	प्रसिद्ध/प्रसिद्‌ध
न्+त = न्त	अंत/अन्त	ड्+ड = ड्ड/ड्‌ड	अड्डा/अड्‌डा
म्+प = म्प	कंप/कम्प	ट्+ट = ट्ट/ट्‌ट	खट्टा/खट्‌टा

Copyright- SCERT, Ass
not to be republished

14. इन्हें ध्यान से देखो और याद करो :

क्+र = क्र	क्रम, शुक्रिया	र्+ज = र्ज	दर्जा, अर्जुन
ग्+र = ग्र	ग्रंथ, अग्र	र्+प = र्प	सर्प, दर्प
भ्+र = भ्र	भ्रम, अभ्र	र्+च = र्च	अर्चना, मिर्च
श्+र = श्र	श्रम, श्री	र्+त = र्त	शर्त, मूर्ति

15. आओ, जानें और शब्द लिखें :

क्+ष	= क्ष	क्षमा,	क्षत्रिय	....	....
त्+र	= त्र	पत्र,	चित्र	....	....
ज्+ञ	= ज्ञ	ज्ञान,	प्रज्ञा	....	....

16. इन्हें पढ़ो और समझो :

हंस	अंक	पंख	रंग	संग
अंगूर	लंगूर	जंगल	मंगल	चंदामामा
बाँस	साँस	दाँत	चाँद	गाँव
पाँव	कुआँ	धुआँ	हँसमुख	बकरियाँ

17. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

परेशान	=	हैरान	स्थापना	=	किसी संस्थान की नींव डालना
स्वाधीनता	=	आजादी			
कूद पड़ना	=	शामिल होना	मरणोपरांत	=	मृत्यु के बाद
वैवाहिक	=	विवाह संबंधी	भलाई	=	उपकार
कन्या	=	बेटी, पुत्री	अध्यक्ष	=	सभापति

आओ, जानें

- "लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै जी की मृत्यु असम और भारत के सार्वजनीन जीवन में कभी न पूर्ण करने वाली शून्यता है।"
  –डॉ. राजेंद्र प्रसाद

- "बरदलै जी स्वराज आंदोलन के एक निर्भीक सेनानी थे। एक साहसी मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें असम से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा था।"
  –जवाहरलाल नेहरू

© Copyright SCERT, Assam
not be republished

पाठ-6

आओ गिनती करें

एक दो तीन
रहो न मलीन।
दो तीन चार
सबसे रखो प्यार।
तीन चार पाँच
बोलो सदा सच।
चार पाँच छः
सबसे मिलकर रह।
पाँच छः सात
मीठी करो बात।
छः सात आठ
रखो याद पाठ।
सात आठ नौ
दूध देती गौ
आठ नौ दस
गिनती करो बस।

शिक्षण संकेत

शिक्षक-शिक्षिका विद्यार्थियों को हिंदी संख्याओं का ज्ञान देने के लिए शुद्ध उच्चारण और लय के साथ कविता को दो-तीन बार पढ़कर सुनाएँ, फिर उन्हें सुनाने के लिए कहें।

अभ्यास-माला

1. आओ, कविता का सस्वर वाचन करें।

2. (क) आओ, इन्हें जान लें :

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
एक	दो	तीन	चार	पाँच	छः	सात	आठ	नौ	दस

(ख) आओ, इन्हें रेखा खींचकर मिलाएँ :

१	चार
३	छः
७	आठ
२	दस
५	एक
९	सात
४	पाँच
६	तीन
१०	नौ
८	दो

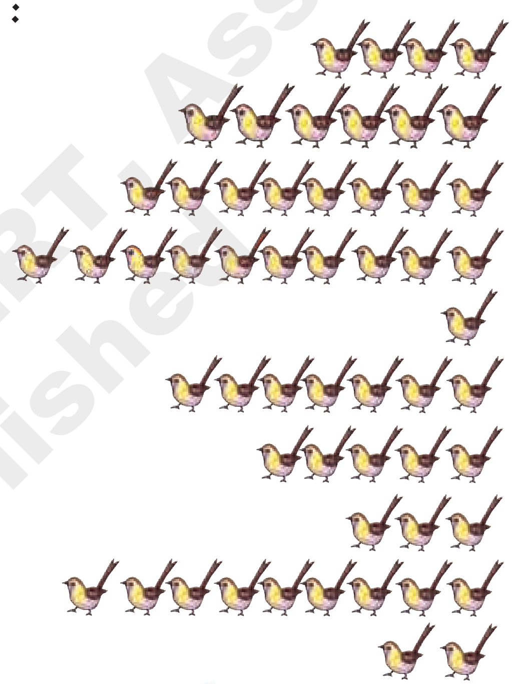

3. यहाँ कितने मार्बल हैं ? आओ, गिनकर लिखें :

(क)

(ख)

(ग) 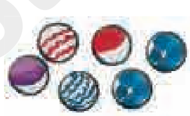

(घ)

(ङ)

(च)

Copyright- SCERT, Assam
not to be republished

२	दो

4. **संख्याओं को अक्षरों में लिखो :**

१		४		५	
६		७		९	

5. **सही शब्दों पर गोला ◯ लगाओ :**

(दो) / डो   तिन / तीन   छार /चार

छः / चः   सात /साट   नो /नौ

6. **आओ, रेखा खींचकर संख्याओं को क्रम से मिलाएँ :**

४

३   १   ५

२

६

७

८   ९   ११

१०   १२

१३   १४   १५

7. **आओ, क्रमवाचक शब्दों को पढ़ें और समझें :**

पहला   दूसरा   तीसरा   चौथा   पाँचवाँ

छठा   सातवाँ   आठवाँ

नौवाँ   दसवाँ

Copyright- SCERT, Assam not be republished

8. सीढ़ियों के क्रम को देखो और क्रमवाचक शब्दों से भरो :

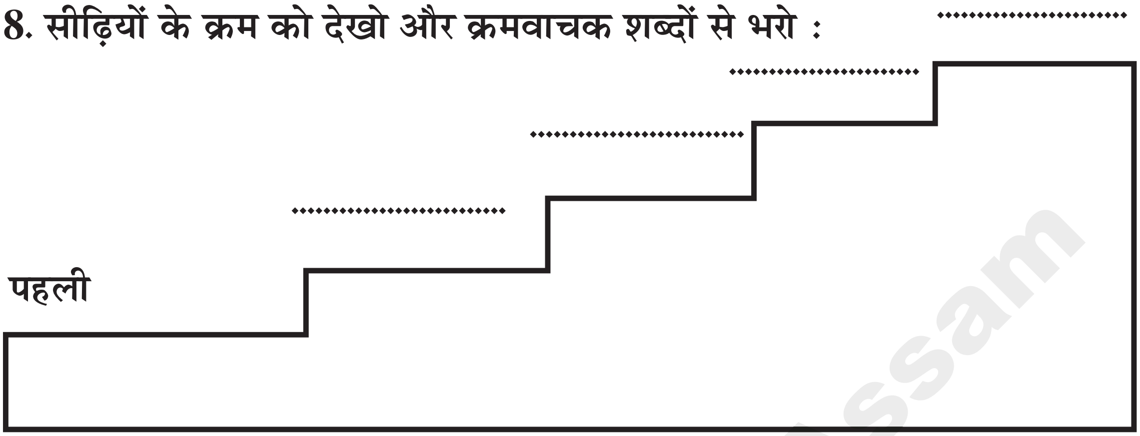

9. आओ, यह भी जानें :

(क) हमें सदा साफ रहना चाहिए। (ख) सबसे प्यार रखना चाहिए।

(ग) हमेशा सच बोलना चाहिए। (घ) सबसे मिलजुल कर रहना चाहिए।

(ङ) मीठी बातें करनी चाहिए।

10. आओ, पठित कविता की तरह 'गिनती' शीर्षक कविता को भी पढ़कर आनंद लें:

गिनती

एक, दो, तीन, चार,
आज शनि है कल इतवार,
पाँच, छह, सात, आठ,
याद करूँगा सारा पाठ,
इसके आगे ***नौ*** और ***दस,***
हो गई गिनती पूरी बस।

11. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

मलीन	=	मैला, उदास	सच	=	सत्य	सदा	=	हमेशा
याद	=	स्मरण, स्मृति	गौ	=	गाय	गिनती	=	गणना

Copyright SCERT, Assam not be republished

पाठ-7

गाँव की सैर

प्रदीप और करीम गुवाहाटी के आदर्श विद्यालय की छठी कक्षा के छात्र हैं। भोगाली बिहू की छुट्टी में करीम अपने दोस्त प्रदीप के गाँव घूमने गया। वे रेलगाड़ी से गोवालपारा स्टेशन पर उतरे। दोनों आपस में बातचीत करने लगे।

करीम : अरे प्रदीप! यह इतना सुंदर खेत किसका है ?

प्रदीप : यह मेरे चाचा जी का है। हमारे गाँव के लगभग सभी लोग धान की खेती करते हैं। हमें जितने चावल की जरूरत है, अपनी खेती से ही मिल जाते हैं।

करीम : तुम्हारा गाँव सचमुच बहुत सुंदर है। ये हरे-भरे खेत देखने में कितने अच्छे लगते हैं!

प्रदीप : चलो, आगे और मजा आएगा।

करीम : अच्छा। वे लंबे-लंबे पेड़ तांबूल के हैं न ? लेकिन उन पेड़ों पर जो लताएँ दीख रही हैं- वे क्या हैं ?

प्रदीप : हाँ, तुमने सही पहचाना। तांबूल के पेड़ों पर चढ़ी वे लताएँ पान की हैं।

करीम : तुम्हारे गाँव में और क्या-क्या फसलें होती हैं ?

प्रदीप : हमारा गाँव संतरे और केले के बगीचों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। *(एक टीले की ओर इशारा कर)* उस पहाड़ी टीले की ढलान पर संतरे की खेती अच्छी होती है। मैदान में विविध प्रकार के केलों के बगीचे हैं। पास में ही दरंगिरी नामक जगह पर केले का एक बहुत बड़ा बाजार है। यह बाजार काफी मशहूर है। यहाँ से केले का निर्यात किया जाता है।

करीम : यहाँ केले का भाव क्या है ?

प्रदीप : ऐसे तो अन्य जगहों से कम ही है। अलग-अलग किस्मों के केलों के भाव अलग-अलग होते हैं। किसी के दस रुपए दर्जन हो तो किसी के बीस, किसी

के तीस भी हो सकते हैं।

करीम : अच्छा, यहाँ और क्या-क्या फल मिलते हैं ?

प्रदीप : यहाँ नारियल, अमरूद, लीची, आम, नींबू आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

करीम : क्या गाँव में साग-सब्जियाँ पैदा नहीं होतीं ?

प्रदीप : क्यों नहीं ? सड़क के मोड़ पर ही साग-सब्जियों का एक बाग है। चलो, आगे बढ़ते हैं। *(बाग के नजदीक पहुँचकर)* यह देखो। सर्दी के मौसम में होने वाली बहुत सारी साग-सब्जियाँ तुम यहाँ देख पाओगे।

करीम : सर्दी के मौसम में क्या-क्या साग-सब्जियाँ होते हैं ?

प्रदीप : सर्दी के मौसम में पालक, धनिया, राई, चौलाई आदि साग होते हैं। सब्जियों में फूलगोभी, बंदगोभी, गाँठगोभी, बैंगन, मूली, गाजर, मटर, टमाटर, लौकी आदि होते हैं।

करीम : और गर्मी के मौसम में ?

प्रदीप : गर्मी के मौसम में होने वाली सब्जियाँ- करेला, खीरा, जीका, कद्दू, भिंडी आदि हैं। सागों में पुदीना, ढेकिया, खुटरा आदि हैं।

करीम : प्रदीप, बाग में कुछ सब्जियाँ मैंने देखीं नहीं, जैसे- आलू, गाजर, मूली, शलगम, चुकंदर आदि।

प्रदीप : अरे दिखाई कैसे देंगी ? ये सभी सब्जियाँ मिट्टी के अंदर होती हैं। कुछ सब्जियाँ मिट्टी के ऊपर पौधे में, जैसे- मिर्च, टमाटर, बैंगन, गोभी आदि और कुछ लताओं में, जैसे- खीरा, लौकी, करेला, कद्दू आदि उगती हैं।

करीम : *(दूर खेत की ओर इशारा कर)* पीले-पीले वे क्या हैं ?

प्रदीप : वह सरसों का खेत है। सरसों का तेल इसी से बनता है। करीम, अब चलो घर चलते हैं। सूरज भी ढल चुका है। माँ राह देख रही होंगी।

करीम : चलो। तुम्हारा गाँव देखकर बहुत मजा आया। बहुत सारी नई-नई जानकारियाँ भी मिलीं। चलो, चलते हैं।

प्रदीप और करीम का मन भर आया। आखिरकार गाँव की सैर कर करीम ने अपने-आपसे कहा- वाह ! बहुत मजा आया। आजकल महँगाई का सामना करने के लिए घर में ही साग-सब्जी और फल आदि की खेती करना बहुत जरूरी है, तभी तो ताजे-ताजे साग-सब्जियों का स्वाद मिल पाएगा !

Copyright SCERT, Assam not be republished

अभ्यास-माला

1. आओ, बातें करें :

(क) छुट्टियों में तुम लोग क्या-क्या करते हो ?

(ख) मीठे, खट्टे, कड़वे फलों के नाम बताओ।

(ग) किसे पकाकर और किसे कच्चा खाया जाता है ? आओ, समूह में चर्चा करें:

बैंगन, फूलगोभी, गाजर, मूली, आलू, टमाटर, मिर्च, धनिया, करेला, खीरा, भिंडी, पालक ।

2. सर्दी और गर्मी के मौसमों में क्या-क्या खेती होती हैं ? आओ, लिखें :

सर्दी में	....	....	....	....	....	....	....
गर्मी में	....	....	....	....	....	....	....

3. आओ, पहचानें और नाम लिखें :

(क) सब्जियाँ :

लौकी

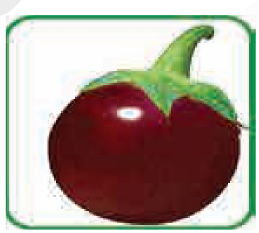

Copyright SCERT, Assam
be republished

(ख) फल :

केला

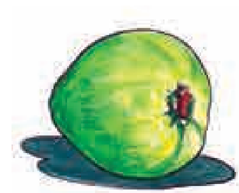

4. पूर्ण वाक्य में उत्तर लिखो :

(क) पीले-पीले रंग के फूल किस खेत के हैं ?

(ख) केले का बड़ा बाजार कहाँ है ?

(ग) पाँच सागों के नाम लिखो।

(घ) मिट्टी के अंदर होने वाली पाँच सब्जियों के नाम लिखो।

(ङ) लताओं में होने वाली चार सब्जियों के नाम लिखो।

5. वाक्य बनाओ :

बगीचा	मैदान	बाजार	मौसम	गाँव	सूरज	छुट्टी	शहर

6. आओ, पहचानें और समझें :

ने → मोहन ने पत्र लिखा।

तुमने क्या किया ?

Copyright SCERT Assam
Not to be republished

(क) अब तुम 'ने' जोड़ कर वाक्यों को पूरा करो :

लड़के .... खाना खाया।   लड़की .... रोटी खाई।

(ख) आओ, पढ़ें और समझें :

से → राधा कलम से लिखती है।

के लिए → ये गुब्बारे बच्चों के लिए हैं।

पर → मेज पर पुस्तक है।

से → राम थैले से सेब निकाल रहा है।

हे → हे भगवान ! मेरी रक्षा करो।

रा → यह मेरा घर है।

➲ अब इसी तरह से, के लिए, पर लगाकर एक-एक वाक्य बनाओ।

....

....

(ग) पढ़ो, समझो और खाली जगहों को भरो :

का को की में

(अ) पिता जी शाम ... आएँगे। (आ) यह अमन ... घर है।

(इ) टोकड़ी ... आम हैं। (ई) सीता ... रोटियाँ खराब हो गईं।

(घ) विलोम शब्द लिखो :

भला x बुरा	बड़ा x	ऊपर x ....
गाँव x	नई x	लंबा x ....

7. आओ, पहेलियाँ बूझें :

(क) ऐसा लिखें, शब्द बनाएँ
फूल, फल, मिठाई बन जाएँ।

(ख) दिन को सोए, रात को रोए
जितना रोए, उतना खोए।

Copyright SCERT, A... not be republished

8. परियोजना :

फलों, सब्जियों और सागों के कुछ चित्रों का संग्रह करो और उनके नाम सहित तालिका बनाओ।

9. आओ, जान लें :

गोवालपारा जिले में लोकगीत की एक शैली मशहूर है, जिसे ***गोवालपरीया लोकगीत*** *कहते हैं। गोवालपरीया लोकगीत की एक मशहूर गायिका प्रतिमा पांडे बरुवा थीं। नीचे एक गोवालपरीया लोकगीत दिया गया है। इसे सीखो और गाने की कोशिश करो:*

आरे दांताल हातीर माहुतरे
देशेर माहुत चलिया जाय;
नारीर मन मोर पुरिया रयरे।।
माओ चारलं बाप चारलं,
चारलं भबेर बारी,
गोवालपारा चारिया आसलं रे,
सखि अल्प बयसेर नारी।।
चंपा फूलेर डाले डाले
काजल भोमोरा उरे,
जि नारीर पुरुष नाइरे,
तार रूपे कि काम करे।।

प्रतिमा पांडे बरुवा

⇒ इस प्रकार के और गीत खोजो और गाने की कोशिश करो।

10. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

सैर	=	सफर, भ्रमण	संतरा	=	नारंगी
जरूरत	=	आवश्यकता, प्रयोजन	निर्यात	=	विदेशों में सामग्री भेजना
फसल	=	खेत की पैदावार	सर्दी	=	जाड़ा, ठंढक
प्रसिद्ध	=	विख्यात, मशहूर	मौसम	=	जलवायु
टीला	=	छोटी पहाड़ी	बगीचा	=	बाग
ढलान	=	ढला हुआ भूखंड	काफी	=	पर्याप्त

Copyright SCERT, Assam
not to be republished

पाठ-8

हिंद देश के निवासी

-विनयचंद्र मौद्गल्य

हिंद देश के निवासी
सभी जन एक हैं।
रंग-रूप, वेश-भाषा
चाहे अनेक हैं।।

बेला, गुलाब, जूही,
चंपा, चमेली
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे
माला में एक हैं।।

कोयल की कूक न्यारी
पपीहे की टेर प्यारी,
गा रही तराना बुलबुल,
राग मगर एक है।।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र
कृष्णा, कावेरी
जाके मिल गईं सागर में,
हुई सब एक हैं।।

अभ्यास-माला

1. आओ, इस गीत को मिलकर गाएँ।

2. गीत के चित्रों को देखो और भारत की किन्हीं पाँच भाषाओं के नाम बताओ।

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

हिंद देश के निवासी
..................................,
रंग-रूप, वेश-भाषा
.... ।।

बेला, गुलाब, जूही
....
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे
.... ।।

4. आओ, सही उच्चारण के साथ कार्ड के शब्दों को पढ़ें :

चंपा | चमेली | वेश-भाषा | यमुना | कावेरी

5. बताओ :

(क) हमारे देश का नाम।

(ख) हमारे देश की किन्हीं पाँच प्रमुख नदियों के नाम।

(ग) असम की किन्हीं पाँच नदियों के नाम।

(घ) गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र आदि नदियाँ अंत में कहाँ जाकर मिलती हैं ?

6. (क) इन फूलों के नाम बताओ :

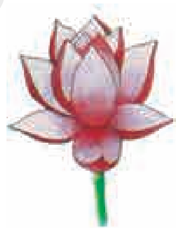

(ख) इनके अतिरिक्त कुछ अन्य फूलों के नाम बताओ और लिखो।

....

Copyright: SCERT, Assam
not to be republished

7. उत्तर लिखो :

(क) हमारी राजभाषा क्या है ?

(ख) हमारा राष्ट्रीय पक्षी क्या है ?

(ग) हमारा राष्ट्रीय फूल क्या है ?

(घ) हमारा राष्ट्रीय प्रतीक क्या है ?

8. मानचित्र देखकर बताओ कि गंगा भारत के किन प्रदेशों में बहती है।

9. आओ, समूह में बैठकर नाम बताएँ :

हमारे देश के प्रदेशों के नाम	हमारे देश के प्रमुख शहरों के नाम
....	....
....	....
....	....

10. आओ, पढ़ें, समझें और रेखा खींचकर मिलाएँ :

माला	खाना
पानी	गूँथना
भात	पीना
फूल	बहना
नदी	खिलना

11. आओ, नीचे के शब्दों से वाक्य बनाएँ :

भाषा, गुलाब, गंगा, सागर, प्यारा

Copyright- SCERT, Assam not be republished

12. आओ, पढ़ें, समझें और लिखें:

यह **नदी** है।	ये **नदियाँ** हैं।
मैं **लड़की** हूँ।	हम .... हैं।
यहाँ एक **महिला** है।	वहाँ दो .... हैं।
मैं एक **भाषा** जानता हूँ।	वे कई .... जानते हैं।
मैं एक **कविता** पढ़ रहा हूँ।	वे दो ....पढ़ रहे हैं।

13. आओ, आपस में मिलकर एक खेल खेलें :

प्रत्येक विद्यार्थी एक वर्ण से शुरू होने वाले शब्द लिखता जाएगा और शब्द बढ़ते जाएँगे:

ह –	हम	हिंद	हिंदी	हमारा	हिंदुस्तान
क –	....	....	....	....	....
न	....	....	....	....	....
प	....	....	....	....	....

14. निम्नलिखित गीत मुहम्मद इकबाल द्वारा विरचित है। यह एक देशप्रेममूलक गीत है। आओ, इसे मिलकर गाएँ :

सारे जहाँ से अच्छा, हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा।।
परबत वो सबसे ऊँचा हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।
गोदी में खेलती हैं इसकी हजारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्के जिनाँ हमारा।।
मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्ताँ हमारा।

Copyright SCERT, Assam
not be republished

⇒ तुमलोग सुधाकंठ डॉ. भूपेन हाजरिका द्वारा गाए हुए निम्नलिखित गीत का संग्रह करो और विशेष अवसर पर गाने का प्रयास करो :

विस्तार है अपार .... गंगा बहती हो क्यों ?

15. आओ, सुलेख लिखें :

भारतवर्ष में रहने वाले हम सब एक हैं।

....

....

....

16. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

हिंद	=	भारत	टेर	=	पुकार, आवाज
वेश	=	पोशाक	राग	=	सुर
न्यारी	=	निराली, अनोखी	तराना	=	एक तरह का चलता गाना

Copyright-SCERT, Assam
not be republished

पाठ-9

चलो, तेजपुर चलें

आज सुबह से प्रियम बहुत खुश व उत्साहित है। वह नहा-धोकर तैयार है। इसी बीच उसने माँ को जोर से आवाज दी।

प्रियम : माँ, जल्दी करो, छह बजे से पहले हमें स्कूल पहुँचना है।

माँ : सब सामान तैयार हैं न? तुम्हारे कपड़े, पानी की बोतल, साबुन आदि । एक बार ठीक से देख लो।

प्रियम : हाँ, ठीक है। मैं भी तैयार हो गया।

प्रियम जल्दी-जल्दी घर से स्कूल की ओर निकल गया। गोलाघाट के मरंगी दीननाथ हाईस्कूल के प्रवेश द्वार के सामने एक टूरिस्ट बस खड़ी है। आज से गर्मी की छुट्टी शुरू हो गई है। छठी कक्षा के 35 विद्यार्थी और दो शिक्षक सहित कुल 37 लोग शैक्षिक भ्रमण हेतु ऐतिहासिक स्थल तेजपुर के लिए तैयार हैं। करीब छह बजे बस तेजपुर के लिए रवाना हुई। बस धीरे-धीरे नुमलीगढ़ होकर आगे बढ़ी। विद्यार्थी काफी जोश में थे। शिक्षक की अनुमति लेकर उन्होंने अंत्याक्षरी शुरू कर दी-

एक, दो, तीन, चार
बैठे-बैठे क्या करें
करना है कुछ काम
शुरू करें अंत्याक्षरी
लेकर प्रभु के नाम।

बस बोकाखात में जा रुकी।

खलासी : (ऊँची आवाज में) यहाँ बस 15 मिनट रुकेगी। आप लोग चाय-नाश्ता कर लीजिए।

शिक्षक की अनुमति से सभी बच्चे एक-एक कर बस से उतरे। वहाँ एक होटल में सभी ने सुबह का नाश्ता कर लिया। बस फिर आगे बढ़ी।

इसी बीच शिक्षक खड़े होकर बोले- देखो बच्चो, हम अब काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हैं। तुम्हें मालूम है, यह उद्यान किसलिए मशहूर है ?

रीना : जी, महाशय। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंड़े के लिए मशहूर है।

शिक्षक : इसके अलावा काजीरंगा में क्या-क्या वन्यजीव मिलते हैं ?

जगदीश : महाशय, काजीरंगा में गैंड़े के अलावा जंगली भैंस, हाथी, बाघ, भालू, विविध प्रजातियों के हिरन, खरगोश एवं दुर्लभ प्रजाति के पक्षी आदि उपलब्ध हैं।

वहाँ से बस कलियाभोमोरा पुल पार कर सुबह लगभग साढ़े दस बजे तेजपुर आ पहुँची।

शिक्षक : तुम लोग सब तैयार हो जाओ। अब हम तेजपुर शहर के दर्शनीय स्थलों के दर्शन करेंगे। जानते हो तेजपुर का पुराना नाम शोणितपुर है। यहाँ वाण नामक एक प्रसिद्ध राजा हुए थे।

शिक्षक : बच्चो, अब हम महाभैरव मंदिर के दर्शन करेंगे।

सबने मंदिर में प्रवेश किया। वहाँ से बस अग्निगढ़ के पास जा रुकी।

शिक्षक : बच्चो, अब हम अग्निगढ़ के दर्शन करेंगे। अग्निगढ़ के साथ एक सुंदर पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। अग्निगढ़ का निर्माण भी राजा वाण ने ही करवाया था। तुम में से कोई वाण की पुत्री का नाम बता पाओगे ?

संजना : जी महाशय, राजा वाण की बेटी का नाम ऊषा था। वह एक अपूर्व सुंदरी थी।

शिक्षक : हाँ! यह तो है, साथ ही वह एक कुशल नृत्यांगना भी थी।

अमल : महाशय, आप हमें एक कहानी सुनाने वाले थे।

शिक्षक : हाँ, हाँ। आओ, यहाँ आराम से बैठकर सुनो। राजा वाण ने अपनी कन्या ऊषा को सुरक्षित रखने के लिए अग्निगढ़ का निर्माण करवाया था। राजकुमारी ऊषा का प्रेम भगवान श्रीकृष्ण के पोते अनिरुद्ध से हुआ था। बच्चो, क्या तुम में से कोई बता पाओगे, ऊषा की सखी कौन थी ?

जहानारा: जी महाशय, ऊषा की सखी चित्रलेखा थी। वह वर्णन सुनकर ही चित्र का अंकन कर सकती थी।

मनोज : महाशय, आगे क्या हुआ ?

शिक्षक : हाँ, अनिरुद्ध और ऊषा के प्रेम को राजा वाण की सहमति नहीं थी। इसी बात को लेकर श्रीकृष्ण और वाण के बीच लड़ाई हुई थी।

अग्निगढ़ से निकल कर बस शहर में स्थित पूर्वोत्तर के एकमात्र मानसिक अस्पताल लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में जा रुकी। अस्पताल देखने के बाद बच्चों को कोलपार्क ले जाया गया। वे पार्क में काफी देर तक खेले। तेजपुर में बच्चों को वाण थिएटर, बामुनी पहाड़ समेत कई ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन करवाए गए।

तब तक सूरज ढल चुका था। बस गोलाघाट की ओर वापस मुड़ी। बच्चों ने फिर अंत्याक्षरी आरंभ कर दी। रात को नौ बजे बस स्कूल के गेट के सामने जा रुकी। वहाँ अपने-अपने माता-पिता को देखकर बच्चे खुशी से उछल पड़े। सभी अपने-अपने अभिभावकों के साथ घर चल दिए।

अभ्यास-माला

1. तुम लोग अपने द्वारा किए गए किसी भ्रमण के बारे में कक्षा में सुनाओ।

2. क्या, तुम कभी शैक्षिक भ्रमण पर गए हो ?

(क) यदि गए हो तो-	**(ख) यदि नहीं गए हो तो-**
☞ कहाँ गए थे ? ☞ किनके साथ गए थे ? ☞ कितने लोग गए थे ? ☞ तुम अपने साथ क्या-क्या ले गए थे ? ☞ वहाँ तुम्हारे सबसे अधिक पसंद का स्थल क्या था ? ☞ मानचित्र की मदद से यात्रा-मार्ग को चिह्नित करो।	☞ कहीं जाने की योजना बनाओ। ☞ किनके साथ जाओगे ? ☞ कहाँ से किस स्थान तक जाओगे ? ☞ यात्रा के दौरान किस-किस स्थल के दर्शन करोगे ? ☞ बीच में कहीं रुकोगे क्या ? ☞ यात्रा में अपने साथ क्या-क्या ले जाओगे ? ☞ मानचित्र की मदद से यात्रा-मार्ग को चिह्नित करो।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) पाठ में किस स्थान के भ्रमण के बारे में उल्लेख है ?

(ख) काजीरंगा किसलिए मशहूर है ?

(ग) काजीरंगा के अलावा असम के अन्य दो राष्ट्रीय उद्यानों के नाम लिखो। वे किस-किस जिले में हैं ?

(घ) पाठ में आए वन्यजीवों के नामों के अलावा किन्हीं अन्य पाँच वन्यजीवों के नाम लिखो।

(ङ) वाण की पुत्री कौन थी ? उसकी सखी कौन थी ?

(च) अग्निगढ़ का निर्माण किसने करवाया था ?

Copyright- SCERT, Assam not to be republished

4. पालतू और जंगली होने के आधार पर वृत्त में दिए गए पशुओं के नाम सूची में भरो:

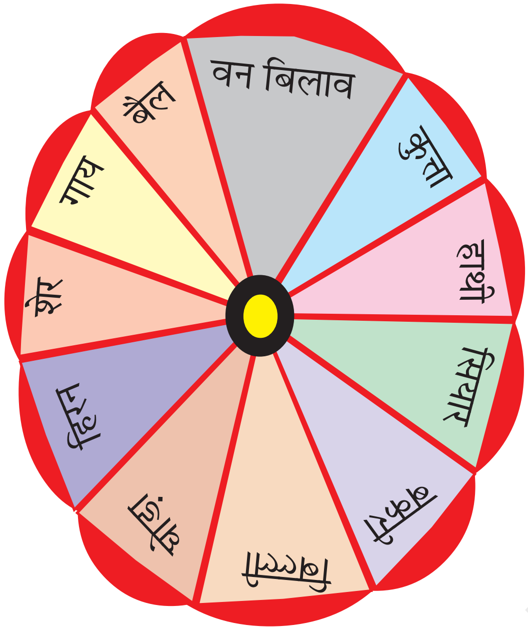

पालतू	जंगली

5. नीचे लिखे संयुक्त वर्णों का विच्छेद करो :

द्य = द् + य	स्त = स् + त	त्त = ... + ...
च्च = ... + ...	क्य = ... + ...	ण्य = ... + ...
न्ध = ... + ...	ल्ल = ... + ...	ह्न = ... + ...

6. आओ, समूह में बैठकर वाक्य बनाने का खेल खेलें :

विद्यालय : हमारा विद्यालय बहुत सुंदर है।
विद्यालय में हम पढ़ते हैं।
हम विद्यालय में खेलते भी हैं।

इस प्रकार निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ :

प्रसिद्ध	द्वार	भ्रमण	क्षेत्र	आनन्द	ज्ञान	छुट्टी

Copyright- SCERT, Assam not be republished

7. आओ, रेखा खींचकर मिलाएँ :

बारह	पंद्रह	छत्तीस	छब्बीस	तैंतीस	चालीस	बीस
४०	२६	१२	२०	१५	३६	३३

8. आओ, खाली जगहों को अंकों से भरें :

११					१६							२३		
	२७					३२				३६				
४१					४६				५०				५४	

9. आओ, संख्याओं का ज्ञान प्राप्त करें :

छियालीस	४६	सैंतालीस	४७	अड़तालीस	४८	उनचास	४९	पचास	५०
इकतालीस	४१	बयालीस	४२	तैंतालीस	४३	चौवालीस	४४	पैंतालीस	४५
छत्तीस	३६	सैंतीस	३७	अड़तीस	३८	उन्तालीस	३९	चालीस	४०
इकतीस	३१	बत्तीस	३२	तैंतीस	३३	चौंतीस	३४	पैंतीस	३५
छब्बीस	२६	सत्ताइस	२७	अट्ठाइस	२८	उनतीस	२९	तीस	३०
इक्कीस	२१	बाईस	२२	तेईस	२३	चौबीस	२४	पच्चीस	२५
सोलह	१६	सत्रह	१७	अट्ठारह	१८	उन्नीस	१९	बीस	२०
ग्यारह	११	बारह	१२	तेरह	१३	चौदह	१४	पंद्रह	१५
छह/छः	६	सात	७	आठ	८	नौ	९	दस	१०
⇒ एक	१	दो	२	तीन	३	चार	४	पाँच	५

शिक्षक-शिक्षिका हिंदी संखाओं का सही उच्चारण स्वयं करके विद्यार्थियों को सुनाएँ फिर, बारी-बारी से दोहराने के लिए वच्चों को प्रेरित करें।

SCERT, Assam
not to be republished

10. रेखा खींचकर मिलाओ :

भाग 'क'	भाग 'ख'
क) महाभैरव मंदिर	क) राष्ट्रीय उद्यान
ख) लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै	ख) चित्रकार
क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल	
ग) चित्रलेखा	ग) राजकुमारी
घ) ऊषा	घ) तेजपुर
ङ) काजीरंगा	ङ) मानसिक अस्पताल

11. परियोजना :

(क) वन्यजीवों, पालतू जीवों और पक्षियों के चित्रों का संग्रह कर एलबम बनाओ।

(ख) दूरदर्शन द्वारा प्रसारित किसी भ्रमण–वृत्तांत को संक्षेप में प्रस्तुत करो।

12. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

खुश	=	आनंद	दर्शन	=	देखना
तैयार	=	प्रस्तुत होना	पौराणिक	=	पुराण से संबधित
टूरिस्ट	=	पर्यटक	कन्या	=	बेटी
स्थल	=	स्थान, जगह	कुशल	=	निपुण
रवाना	=	गमन, जाना	नृत्यांगना	=	नृत्य करने वाली
जोश	=	उत्साह	निर्माण	=	बनाना
मशहूर	=	विख्यात, प्रसिद्ध			

Copyright SCERT, Assam not be republished

पाठ-10

बाघ और बटोही

उसने बाघ को देखा।
हूँ ऊँ, ऊँ! कंगन मैं ले तो लूँ पर तुम्हारे जैसे हिंसक जानवर का विश्वास कैसे करूँ?
तुम्हारा संदेह ठीक ही है। मैंने जिंदगी में बहुत पाप किए हैं। पर अब एक संन्यासी की सीख से बदल गया हूँ। तुम आकर कंगन ले जाओ।
मैं उधर आया तो मेरी गंध पाकर तुम संन्यासी की सीख भूल जाओगे।
नहीं भूलूँगा! फिर बूढ़ा हो गया हूँ– मेरे नाखून घिस गये हैं। तुम डरो मत। तालाब में उतरो और इधर आकर कंगन ले जाओ।
बटोही पर सोने का लालच ऐसा सवार हुआ कि बाघ का डर भूल गया।
लगता है बाघ सच कह रहा है!
मैं उस पार जाकर कंगन ले लूँ।

अमर चित्रकथा से साभार

अभ्यास-माला

1. 'बाघ और बटोही' कहानी को अपने शब्दों में बताओ।

2. प्रस्तुत चित्रकथा 'बाघ और बटोही' से हमें क्या सीख मिलती है ?

3. उत्तर लिखो :

(क) बूढ़े होने पर बाघ ने क्या तरकीब सोची ?

(ख) बाघ ने किसका लालच देकर बटोही को तालाब में फँसाया ?

(ग) बाघ की बातें सुनकर बटोही ने क्या किया ?

(घ) तालाब में उतरते ही बटोही का क्या हाल हुआ ?

(ङ) आखिरकार बाघ ने बटोही का क्या हाल किया ?

4. आओ, समूह में बैठकर वाक्य बनाने का खेल खेलें :

घड़ी – मेरे पास एक घड़ी है।

मेरी घड़ी सुनहली है।

उसके पास दो घड़ियाँ हैं।

इस प्रकार निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ :

किताब गाय मकान कलम बहन

5. इन्हें पढ़ो, समझो और लिखो :

(क)	ष् + य = ष्य	मनुष्य	भविष्य	भाष्य
	द् + ध = द्ध	....	....	....
	द् + य = द्य	....	....	....
	ष् + ट = ष्ट	....	....	....

Copyright-SCERT, Assam
not be republished

(ख)	इ = ि	चित्र	शिकार	किताब
	ई = ी	लड़की	....	....
	उ = ु	बहुत	....	....
	ऊ = ू	धूप	....	....

6. आओ, श्रुतलेख लिखें :

तुम्हारा संदेह ठीक ही है। मैंने जिंदगी में बहुत पाप किए हैं। पर अब एक संन्यासी की सीख से बदल गया हूँ। तुम आकर कंगन ले जाओ।

7. आओ, समान अर्थवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाएँ :

(क) तालाब	लोभ
(ख) आसमान	पथिक
(ग) लालच	सोना
(घ) स्वर्ण	गगन
(ङ) बटोही	पोखर

8. निम्नलिखित संख्याओं को देखो और नीचे अक्षरों में लिखो :

१६	१५	२७	२१	१४
....	....	....	....	....

9. आओ, यह भी जानें :

अमर इधर <u>आ</u> ।　　उधर मत <u>जा</u>।　　किताब <u>ला</u>।　　अपना पाठ <u>पढ़</u>।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द आ, ला, जा, पढ़ आदि क्रिया पद हैं। अब तुम भी इसी तरह तीन वाक्य बनाओ।

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

10. **आओ, पढ़ें और समझें :**

(क) हरि को बुलाओ।

(ख) गाय को घास खिलाओ।

(ग) प्यासे को पानी दो।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित को **कर्म कारक** का चिह्न है। इसी तरह तुम भी दो वाक्य बनाओ।

11. **आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :**

कंगन	=	कंकण, कलाई में पहनने वाला एक प्रकार का आभूषण	स्वर्ण	=	सोना
दलदल	=	कीचड़	लालच	=	लोभ
देर	=	विलंब	डर	=	भय
खतरा	=	विपत्ति	झपट	=	आक्रमण
सीख	=	शिक्षा	बटोही	=	पथिक

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

शिक्षण संकेत

शिक्षक-शिक्षिका बच्चों के द्वारा इस कहानी का अभिनय करवाएँ।

पाठ-11

प्रकृति का संदेश

हम प्रकृति की हर वस्तु से कोई न कोई संदेश प्राप्त करते हैं। प्राकृतिक वस्तुएँ हमें धैर्य, साहस, कर्तव्य, सेवा-भावना तथा उन्नति का पाठ पढ़ाती हैं। प्रस्तुत कविता हमें क्या-क्या सीख देती हैं, आओ जानें!

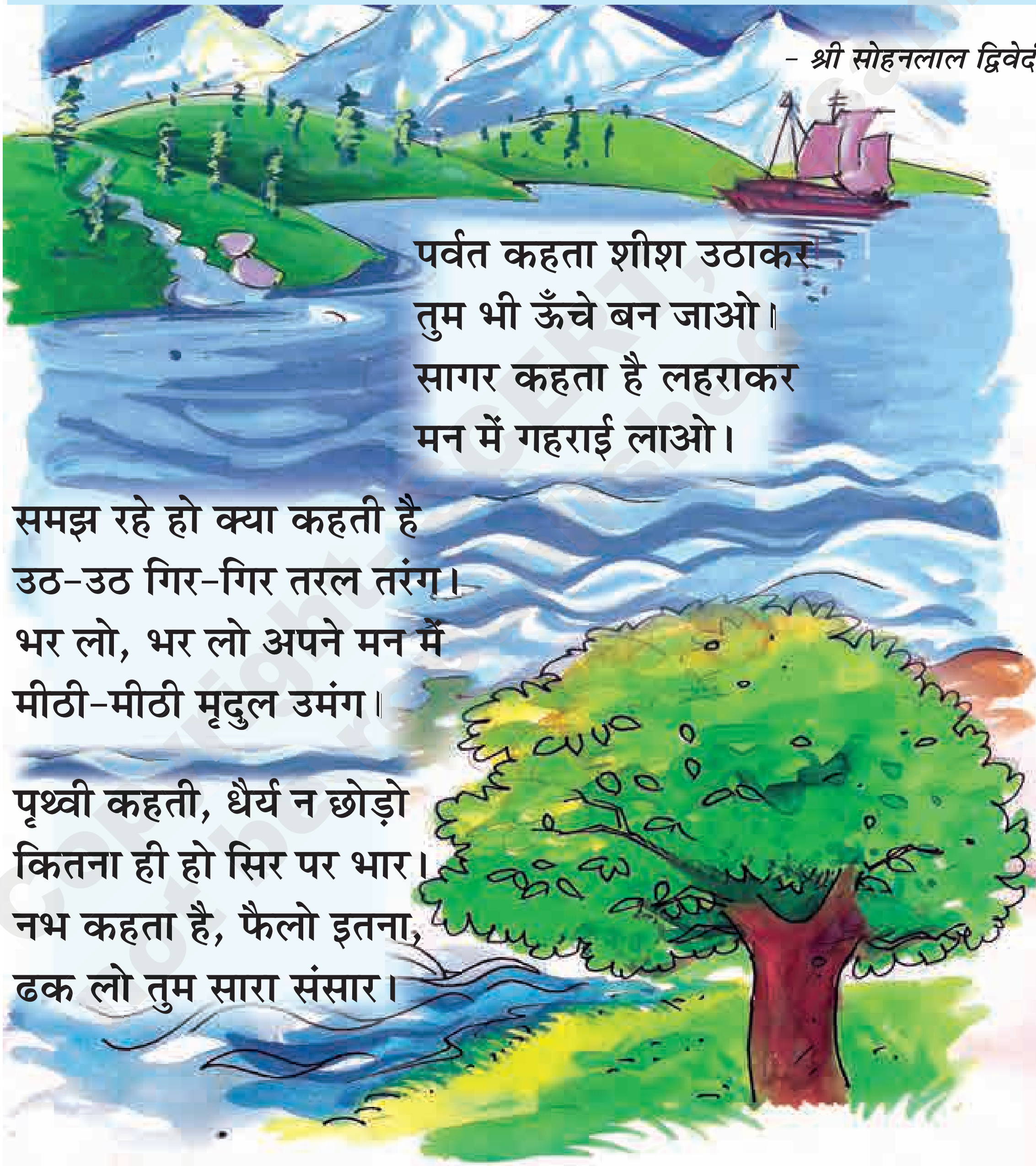

- श्री सोहनलाल द्विवेदी

पर्वत कहता शीश उठाकर
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर
मन में गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती है
उठ-उठ गिर-गिर तरल तरंग।
भर लो, भर लो अपने मन में
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।

पृथ्वी कहती, धैर्य न छोड़ो
कितना ही हो सिर पर भार।
नभ कहता है, फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।

अभ्यास-माला

1. कविता का हाव-भाव के साथ वाचन करो।

2. आओ, ऐसे ही एक अन्य कविता की कुछ पंक्तियाँ दोहराएँ :

देखो कोयल काली है पर
मीठी है इसकी बोली
इसने तो कूक-कूक कर
आमों में मिसरी घोली।

3. खाली जगहों की पूर्ति करो :

(क) पर्वत कहता .... उठाकर
तुम भी .... बन जाओ।
.... कहता है लहराकर
मन में .... लाओ।

(ख) पृथ्वी कहती, ... न छोड़ो
कितना ही हो .... पर भार।
.... कहता है, फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा ....।

4. कविता का भाव समझो और उत्तर दो :

(क) ऊँचाइयों को छूने का संदेश कौन देता है ?

(ख) मन में गंभीरता लाने का संदेश कौन देता है ?

(ग) धीरज रखने का संदेश कौन देती है ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) 'प्रकृति का संदेश' कविता के कवि कौन हैं ?

(ख) तरंग हमें क्या संदेश देती है ?

(ग) पाठ के आधार पर प्रकृति के चार उपादानों के नाम लिखो।

(घ) आकाश हमें क्या संदेश देता है ?

Copyright - SCERT, not to be republished

6. आओ, बातचीत करें :

प्रकृति और प्राणियों में गहरा संबंध है। पृथ्वी पर जीवन-धारण के लिए प्रकृति ने सभी प्राणियों को हवा-पानी, वन-पर्वत, पेड़-पौधे आदि दिए हैं। परंतु आज मनुष्य प्रकृति के इन उपादानों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान नहीं देता। फलस्वरूप हमारा पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है।

⇒ *'प्रकृति की सुरक्षा और हमारा कर्तव्य' विषय पर कक्षा के सभी विद्यार्थी सम्मिलित होकर परिचर्चा का आयोजन करो साथ ही अपने-अपने विचार शिक्षक को बताओ।*

7. पढ़ो, समझो और लिखो :

बालक	बालिका	बाघ	बाघिन
गायक	....	माली	....
पाठक	....	तेली	....
नायक	....	धोबी	....

8. आओ, रेखा खींचकर समानार्थक शब्दों को मिलाएँ :

पर्वत	धरती
शीश	कोमल
नभ	आकाश
मृदुल	गिरि
पृथ्वी	सिर

9. आओ, पढ़ें और समझें :

(क) मोहन की पुस्तक अच्छी है।

(ख) जंगल में शेर और हाथी रहते हैं।

(ग) लड़का मीठा आम खा रहा है।

(घ) रजिया स्कूल जा रही है।

ऊपर के वाक्यों में रेखांकित शब्द नाम सूचित करते हैं। ये सभी **संज्ञा** शब्द हैं।

Copyright SCERT, Assam not be republished

⇒ **ऐसे और पाँच संज्ञा शब्द लिखो :**

....

....

10. आओ, जानें :

महात्मा गाँधी को भाषण देने के लिए जाना था। उनके लिए ताँगा आने वाला था। वे बार-बार घड़ी देख रहे थे। अचानक उन्होंने पास खड़े आश्रमवासी से कहा, "भाई, मेरे लिए जल्दी से एक साइकिल मँगा दीजिए।"

इन वाक्यों में संज्ञा शब्द (महात्मा गाँधी) के स्थान पर उनके, वे, उन्होंने, मेरे-जैसे शब्दों का प्रयोग हुआ है। ये शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं। इनके अलावा मैं, हम, आप, यह, वह, क्या, कौन, कब, कोई आदि सर्वनामों के उदाहरण हैं।

कविता में आए निम्नलिखित सर्वनामों से एक-एक वाक्य बनाओ :

(क) तुम : ....

(ख) अपना : ....

11. आओ, पहेलियाँ समझें और उत्तर लिखें :

(क) ऊँट की बैठक, हिरन की चाल

वह कौन-सा जानवर, जिसके दुम न बाल?

अब तुम सोचकर बताओ?

(ख) किसकी आँखें होती हैं, पर देख नहीं सकता?

(ग) वह कौन है, जिसका मुँह नहीं, पर बोलता है?

(घ) किसके पैर नहीं होते, पर चलता है?

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

12. आओ, यह भी करें :

(क) अपने आस-पास की प्रकृति का निरीक्षण करके अपना अनुभव कक्षा में सुनाओ।

(ख) प्रकृति पर आधारित चार पंक्तियों की एक कविता लिखने का प्रयास करो।

(ग) प्रकृति विषयक अन्य कविताओं का संग्रह कर कक्षा में सुनाओ।

13. आओ, खेल-खेल में सीखें :

कलम ....

मकान ....

नल ....

लड़का ....

कागज ....

14. 'है' अथवा 'हैं' लगाकर वाक्यों को पूरा करो :

यह पेड़ .... ।	वे पेड़ .... ।
यह लड़का .... ।	ये लड़के .... ।
वह पक्षी .... ।	वे पक्षी .... ।
वह घोड़ा .... ।	वे घोड़े .... ।

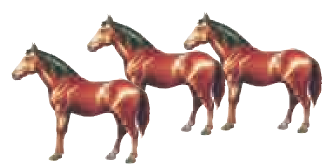

15. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

शीश	=	सिर	मृदुल	=	कोमल
गहराई	=	गंभीरता	उमंग	=	उत्साह
तरंग	=	लहर	धैर्य	=	धीरज

Copyright- SCERT, Assam not be republished

पाठ-12

अभ्यास की महिमा

बोपदेव एक मंदबुद्धि बालक था। वह पढ़ने-लिखने में बहुत कमजोर था। उसके सहपाठी उसे चिढ़ाते थे। कोई उसे बुद्धू कहता तो कोई मूर्ख। बोपदेव भी अपने को मूर्ख समझने लगा।

गुरुजी बोपदेव को बहुत समझाते, लेकिन वह कुछ समझ न पाता। निराश होकर गुरुजी ने बोपदेव को उसके गाँव भेजने का निश्चय किया। उन्होंने बोपदेव से कहा- ''तुम विद्या अर्जन नहीं कर सकते तो अपने गाँव जाकर कुछ कामकाज करो। परिश्रम के बिना कोई भी जीवन में सफल नहीं हो सकता।''

गुरुजी की बात सुनकर बोपदेव को बड़ा दुःख हुआ। वह अपने गाँव के लिए चल पड़ा। चलते-चलते दोपहर हो गई। उसे जोर से प्यास लगी। पानी पीने के लिए वह एक कुएँ के पास गया। कुछ औरतें कुएँ से पानी भर रही थीं।

तभी बोपदेव का ध्यान कुएँ की जगत पर गया। उस पर कई गड्ढे थे। उसने औरतों से पूछा- ''ये गड्ढे किसने बनाए हैं ?'' तब एक औरत ने उत्तर दिया- ''गड्ढे हमने नहीं बनाए हैं। बार-बार घड़े रखने से ये गड्ढे अपने आप बन गए हैं।''

उत्तर सुनकर बोपदेव सोचने लगा– ''जब मिट्टी के घड़े से पत्थर घिस सकता है, तो बार–बार अभ्यास करने से मुझे विद्या क्यों नहीं आ सकती ?''

अभ्यास की महिमा उसकी समझ में आ गई। उसने निश्चय कर लिया– ''अब मैं मन लगाकर पढ़ूँगा, बार–बार अभ्यास करूँगा।''

बोपदेव के विचार बदल गए। वह उसी समय पाठशाला लौट आया। उसके विचार में बदलाव देखकर गुरुजी प्रसन्न हुए।

अब बोपदेव खूब मन लगाकर पढ़ने लगा। बड़ा होकर यही बालक संस्कृत का एक प्रसिद्ध विद्वान बना।

अभ्यास-माला

1. 'अभ्यास की महिमा' कहानी को पढ़ो, समझो और अपने ढंग से सुनाओ।

2. उत्तर दो :

(क) बोपदेव कैसा बालक था ?

(ख) बोपदेव के सहपाठी उसे क्या कहकर चिढ़ाते थे ?

(ग) गुरुजी ने बोपदेव को कहाँ भेजने का निश्चय किया ?

3. कहानी को पढ़कर उत्तर लिखो :

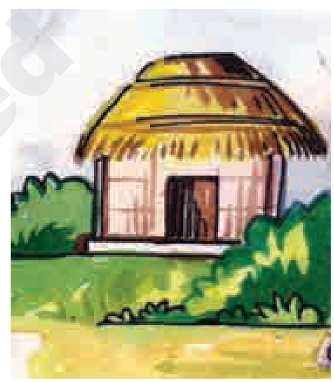

(क) औरतें कुएँ पर क्या कर रही थीं ?

(ख) कुएँ की जगत पर गड्ढे कैसे बने थे ?

(ग) बोपदेव पाठशाला क्यों लौट आया ?

(घ) बोपदेव बड़ा होकर क्या बना ?

4. 'अभ्यास की महिमा' कहानी तुम्हें कैसी लगी ? इससे तुम्हें कौन-सी सीख मिली ?

5. इसी तरह की कोई अन्य कहानी पढ़ो और उसे संक्षेप में अपने साथियों को सुनाओ।

6. लिखो :

(क) 'ये गड्ढे किसने बनाए हैं ?'

किसने कहा ? ....

किससे कहा ? ....

(ख) 'ये गड्ढे हमने नहीं बनाए हैं ?'

किसने कहा ? ....

किससे कहा ? ....

Copyright - SCERT, Assam
not be republished

7. आओ पढ़ें, दोहराएँ और लिखें :

(क) द् + य = (द्य) – विद्या, गद्य ....

द् + ध = (द्ध) – बुद्धि, बुद्ध ....

द् + व = (द्व) – विद्वान, द्वेष ....

(ख) क्षमा = क् + ष् + अ + म् + आ

कक्षा = ... + ... + ... + ... + ...

मित्र = म् + इ + त् + र् + अ

पत्र = ... + ... + ... + ... + ...

ज्ञान = ज् + ञ् + आ + न् + अ

यज्ञ = ... + ... + ... + ... + ...

परिश्रम = प् + अ + र् + इ + श् + र् + अ +म् + अ

विश्राम = ... + ... + ... + ... + ... + ... + ...

8. पढ़ो, समझो और लिखो :

अरजन = *अर्जुन*

मूरख = ...

मरम = ...

धरम = ...

करम = ...

शरम = ...

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

9. जिन शब्दों का अर्थ प्राय: एक–सा होता है, उन्हें **पर्यायवाची शब्द** कहते हैं। इन्हें **समानार्थी शब्द** भी कहा जाता है। जैसे– हवा, पवन, समीर आदि।

नीचे दिए गए शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखो :

बालक = ...

औरत = ...

गुरु = ...

घड़ा = ...

पानी = ...

प्रसिद्ध = ...

10. पाठ में आए पाँच संज्ञा शब्द चुनो और उनसे वाक्य बनाओ।

11. अपने शिक्षक की मदद से इस दोहे का अर्थ समझो :

करत करत अभ्यास ते, जड़मति होत सुजान

रसरि आवत जात ते, सिल पर पड़त निशान।

12. सुलेख लिखो :

परिश्रम के बिना जीवन में कोई भी सफल नहीं हो सकता।

....

....

....

Copyright SCERT not be republished

13. आओ, इन वाक्यों को समझें :

मैं पढ़ता **हूँ** ।　　**तू** पढ़ता **है** ।　　**तुम** पढ़ते **हो** ।

वह खेलता **है** ।　　**राजू** पढ़ता **है** ।　　**हम** पढ़ते **हैं** ।

आप जानते **हैं** ।　　**सोनिया** और **मनोज** खेलते **हैं** ।

अब खाली जगह भरो :

मैं छात्र .... ।　　मैं छात्रा .... ।

तू लिखता .... ।　　तुम लिखते .... ।

तुम कलाकार .... ।　　तुम महान .... ।

हम विद्यार्थी .... ।　　हम साथ-साथ पढ़ते .... ।

आप शिक्षक .... ।　　मदन और करीम दोस्त .... ।

14 . आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

मंदबुद्धि	=	कम बुद्धिवाला	जगत	=	कुएँ के ऊपर का चबूतरा
कमजोर	=	दुर्बल	गड्ढा	=	जमीन में गहरा स्थान
सहपाठी	=	साथ पढ़नेवाला	उत्तर	=	जवाब
निश्चय	=	निर्णय	प्रसिद्ध	=	मशहूर

Copyright SCERT, Assam
not be republished

पाठ-13

मन के जीते जीत

स्वाधीनता दिवस पर सामूहिक रूप से समारोह मनाया जाता है। इसमें सभी संप्रदायों के लोग भाग लेते हैं। शीला के पिताजी हर साल इस समारोह में भाग लेते हैं। शीला को भी समारोह में भाग लेने की इच्छा हुई।

शीला : पिताजी, मैं भी आपके साथ स्वाधीनता दिवस का समारोह देखने जाऊँगी।

पिताजी : तुम भी जाओगी क्या? अगर जाना है, तो जल्दी-जल्दी तैयार हो जाओ, नहीं तो देर हो जाएगी।

नहा-धोकर नाश्ता करने के बाद बाप-बेटी दोनों घर से निकल पड़े। समारोह-स्थल पहुँचते-पहुँचते उन्हें आधा घंटा लग गया। समारोह शुरू होने ही वाला था। दोनों अपने-अपने स्थान पर बैठ गए। इतने में 'जन-गण-मन' संगीत चारों तरफ गूंज उठा। सभी सम्मान में खड़े हो गए।

उस दिन शीला बहुत खुश थी। खासकर तरह-तरह के नृत्य देखकर और गाना सुनकर उसे बहुत आनंद मिला। शीला को वह गाना बहुत पसंद आया--

सारे जहाँ से अच्छा, हिंदोस्ताँ हमारा।

....

कई लड़के-लड़कियाँ कतारों में खड़े होकर यह गीत गा रहे थे। शीला भी गुनगुनाने लगी। पर कब उसने गुनगुनाना बंद किया पता ही नहीं चला। किसी को देखकर वह दुबिधा में पड़ गई।

© Copyright SCERT, Assam not to be republished

उसने पिताजी से कहा– पिताजी, देखिए, देखिए! उस लड़के को देखिए जो बगल में खड़ा होकर गा रहा है। उसने हाथ में बैसाखी क्यों ले रखी है पिताजी ? और वह लड़की! वह काली ऐनक पहनी हुई है! लगता है वह आँखों से देख नहीं पाती।

पिताजी : तुम्हारा अनुमान ठीक है बेटे। हाँ, वह दृष्टिहीन है। और उस लड़के को जो देख रही हो, वह ठीक तरह से चल नहीं पाता। इसलिए बैसाखी के सहारे खड़ा है। पर एक बात याद रखना बेटे, वे भी तुम लोगों की तरह ही हैं।

शीला : पिताजी, क्या वे स्कूल जाते हैं ?

पिताजी : हाँ, क्यों नहीं ?

समारोह समाप्त हुआ। दोनों पैदल ही घर की तरफ रवाना हुए। पिताजी ने फिर बातचीत शुरू की :

पिताजी : हाँ बेटे, तुमने स्कूल जाने की बात पूछी थी न! सुनो, शायद तुम्हें मालूम नहीं कि आजकल एकसाथ सभी बच्चों की पढ़ाई–लिखाई की व्यवस्था हो रही है। कानों से कम सुननेवाले, आँखों से कम देखने वाले, ठीक तरह से बोल न पाने वाले, अच्छी तरह से चल न पानेवाले– ऐसे सभी बच्चे, तुमलोगों के विद्यालय

में ही पढ़ सकते हैं। खुशी की बात यह है कि आजकल सभी प्रकार के विद्यार्थियों को एकसाथ एक ही विद्यालय में पढ़ाने की व्यवस्था की जा रही है।

शीला : पिताजी, उस दिन मैंने मामाजी के घर में सूरदास जी की तस्वीर देखी थी। वे भी तो दृष्टिहीन थे न! क्या वे भी दृष्टिहीन विद्यालय में पढ़ते थे?

पिताजी : नहीं बेटे, सूरदास जी के जमाने में इस तरह के विद्यालय थे ही नहीं। वे बहुत ही अनुभवी थे। वे अपनी साधना और लगन के बल पर ही इतने महान कवि बने।

शीला : पिताजी, तब तो शारीरिक रूप से बाधाग्रस्त व्यक्ति भी सफल हो सकते हैं!

पिताजी : हाँ, बेटे, तुमने सही समझा। मैं अपने एक सहपाठी की बात बताता हूँ। सुनो, हमारे साथ एक लड़का पढ़ता था। वह बहुत तेज था। नाम था जोसफ। उसे ठीक तरह से सुनाई नहीं देता था। वह कानों में सुनने की मशीन लगाया करता था। वह बढ़िया गाता भी था। उस दिन मैंने सुना कि वह आजकल किसी महाविद्यालय में अध्यापक है।

शीला अध्यापक जोसफ के बारे में सोचने लगी।

अभ्यास-माला

1. आओ, विशेष ध्यान देने योग्य लोगों के बारे में चर्चा करें :

2. उत्तर दो :

(क) शीला अपने पिताजी के साथ कहाँ गई थी ?

(ख) 'जन-गण-मन' संगीत सुनते ही सबलोग क्यों खड़े हो गए ?

(ग) शीला को कौन-सा गीत बहुत पसंद आया ?

(घ) शीला को क्यों आनंद मिला ?

(ङ) सूरदास कौन थे ?

(ज) जोसफ क्या करते हैं ?

3. आओ, रेखांकित अक्षरों को तोड़कर देखें :

दृ<u>ष्टि</u>	ष्ट = ष् + ट	साहि<u>त्य</u>	त्य ------
शि<u>ष्य</u>	ष्य ------	<u>स्कू</u>ल	स्क ------
<u>प्र</u>मुख	प्र ------	वि<u>श्वा</u>स	श्व ------

Copyright SCERT Assam
not be republished

4. आओ, जानकारी प्राप्त करें :

दृष्टिहीन लोग कैसे पढ़ते हैं ?

दृष्टिहीन लोगों के लिए प्रयुक्त लिपि **ब्रेल** लिपि है। यह लिपि हाथ के स्पर्श से पढ़ी जाती है।

फ्रांस के रहनेवाले लुई ब्रेल इसके जनक हैं।

5. आओ, हिंदी के कुछ प्रमुख कवि-कवयित्रियों के नाम जानें :

मीरांबाई	कबीरदास	तुलसीदास	जायसी
भारतेंदु हरिश्चंद्र	महादेवी वर्मा	जयशंकर प्रसाद	मैथिलीशरण गुप्त

6. किसने कहा, लिखो :

(क) "वे भी तुमलोगों की तरह हैं।" ....

(ख) "क्या वे भी दृष्टिहीन विद्यालय में पढ़ते थे?" ....

(ग) "वह कानों में सुनने की मशीन लगाया करता था।"..............................

7. उत्तर लिखो :

(क) "ऐसे सभी बच्चे तुमलोगों के विद्यालय में ही पढ़ सकते हैं।"- यहाँ 'ऐसे सभी बच्चे' किन्हें कहा गया है?

(ख) सभी बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के बारे में पिताजी ने क्या कहा?

(ग) दृष्टिहीन सूरदास जी महान कवि कैसे बने?

(घ) विशेष ध्यान देने योग्य व्यक्ति कौन-कौन हो सकते हैं?

8. आओ, समूह में चर्चा करें :

विशेष ध्यान देने योग्य व्यक्ति के अधिकार क्या-क्या हैं?

9. आओ, समझ लें :

वह बहुत ही अनुभवी **था**।
तुम्हारा अनुमान ठीक **है**।

इन वाक्यों में '**था**' और '**है**' से किसी काम के करने या होने का बोध होता है। ये क्रिया के रूप हैं।

Copyright- SCERT, Assam not to be republished

10. आओ, सस्वर पढ़ें :

<u>छात्र</u>–<u>छात्रा</u> पढ़ रहे हैं।

<u>पति</u>–<u>पत्नी</u> बैठे हैं ।

> इन वाक्यों के रेखांकित शब्दों से पुरुष और स्त्री का बोध होता है।

ऐसे ही *पुरुष* और *स्त्री* के बोध करानेवाले शब्द लिखो :

बहन	----------	मामा	----------
लड़की	----------	बालक	----------
बकरी	----------	पिता	----------

11. यहाँ सूरदास के बारे में कई बातों का उल्लेख किया गया है :

- जन्म– 1478 ई. (आनुमानिक)
- जन्म स्थान – ब्रज का सीही नामक गाँव
- हिंदी के कवि
- मृत्यु – 1583 ई. (आनुमानिक)

अब इन बातों के आधार पर चार वाक्य लिखो।

12. आओ, पहेलियाँ बूझें और लिखें :

(क) तीन अक्षर का मेरा नाम
उल्टा सीधा एक समान। [ ]

(ख) ना मारा ना खून किया,
बीसों का सिर काट लिया। [ ]

(ग) पंछी एक देखा अलबेला
पंख बिना उड़ रहा अकेला,
बांध गले में लंबी डोर
नाप रहा अंबर का छोर। [ ]

13. परियोजना : हिंदी के कवि–कवयित्रियों की तस्वीरों से एलबम बनाओ।

14. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

शुरू = आरंभ	तस्वीर = छवि, चित्र
दुबिधा = असमंजस	मशीन = यंत्र
नाश्ता = जलपान	बैसाखी = पैरों से चल न पाने वाले व्यक्ति का सहारा

© Copyright SCERT, Assam not to be republished

पाठ-14

मैं सबसे छोटी होऊँ

– सुमित्रानंदन पंत

मैं सबसे छोटी होऊँ,
तेरी गोदी में सोऊँ,
तेरा अंचल पकड़-पकड़कर
फिरूँ सदा माँ! तेरे साथ,
कभी न छोड़ूँ तेरा हाथ!

बड़ा बनाकर पहले हमको
तू पीछे छलती है मात!
हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन-रात!

अपने कर से खिला, धुला मुख,
धूल पोंछ, सज्जित कर गात,
थमा खिलौने, नहीं सुनाती
हमें सुखद परियों की बात!

ऐसी बड़ी न होऊँ मैं,
तेरा स्नेह न खोऊँ मैं,
तेरे अंचल की छाया में
छिपी रहूँ निस्पृह, निर्भय,
कहूँ – दिखा दे चंद्रोदय!

अभ्यास-माला

1. आओ, 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता का हाव-भाव के साथ वाचन करें।

2. आओ, बताएँ :

(क) 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता के जरिए किस इच्छा की बात की गई है ?

(ख) बच्ची किसका अंचल पकड़कर घूमना चाहती है ?

(ग) माँ हमारे लिए क्या-क्या करती हैं ?

3. पूर्ण वाक्य में जवाब दो :

(क) 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता के कवि का नाम क्या है ?

(ख) बड़े होने पर माँ हमारे लिए क्या-क्या नहीं करतीं ?

(ग) बच्ची क्यों सबसे छोटी बनकर रहना चाहती है ?

(घ) बच्ची को क्यों अनुभव होता है कि माँ उसके साथ छल करती हैं ?

4. 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता में वर्णित बातों को अपने शब्दों में बताओ।

5. खाली जगहों की पूर्ति करो :

'मैं.................. छोटी होऊँ
तेरी .... में सोऊँ,
तेरा अंचल ....
फिरूँ................ ! तेरे साथ,
कभी न छोड़ूँ........ !

6. आओ, सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा करें :

(क) मैं सबसे .... होऊँ। (छोटी/छोटा)

(ख) नदी .... है। (बहता/बहती)

(ग) .... आराम नहीं चाहता। (में/मैं)

(घ) यह .... देश है। (हमारा/हमारे)

© SCERT, Assam not be republished

7. आओ, एक शब्द में बताएँ :

जो कविता लिखती है	=	कवयित्री	जो सजाया हुआ हो	=	
जिसे स्पृहा न हो	=		जिसे भय न हो	=	

8. इस कविता को पढ़ने के बाद एक बच्ची और उसकी माँ के चित्र तुम्हारे मन में उभरते हैं। वह बच्ची और क्या-क्या कहती होगी? क्या-क्या करती होगी? कल्पना करके एक कहानी बनाओ।

9. आओ, एकवचन और बहुवचन के शब्दों को पढ़ें, जानें और लिखें :

लड़का	लड़के	नारी	नारियाँ
बच्चा	....	परी	....
छोटा	छोटे	छात्रा	छात्राएँ
खिलौना	....	माता	....

10. नीचे एक कविता की प्रथम दो पंक्तियाँ दी गई हैं। तुम इसके आधार पर कविता को और आगे बढ़ाओ और शीर्षक भी दो :

जग में सबसे न्यारी है,
माँ मेरी सबसे प्यारी है।

....

....

11. दोनों शब्दों को जोड़कर नए शब्द बनाओ :

- सूर्य + अस्त = सूर्यास्त
- सूर्य + उदय = -----
- परम + अणु = -----
- परम + आत्मा = -----
- विद्या + अर्थी = -----
- विद्या + आलय = -----

12. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

अंचल	=	आँचल	कर	=	हाथ
मात	=	माता	निस्पृह	=	बिना लोभ के
गात	=	शरीर	निर्भय	=	निडर

Copyright : SCERT, Assam not be republished

पाठ-15

होली आई रे

कल होली की छुट्टी है। अयन और स्नेहा दोनों भाई-बहन आज बहुत खुश हैं। पिछली बार होली के दिन अपने दोस्तों के साथ मिलकर उन्होंने खूब धमाल मचाया था। स्नेहा आज सुबह से ही जिद कर रही है - "पिताजी मुझे लाल रंग की लंबी पिचकारी चाहिए।" अयन को भी बहुत सारा रंग, गुलाल और रॉकेट जैसी दीखने वाली पिचकारी चाहिए। वह भी पिताजी के साथ बाजार चलने की जिद कर रहा है।

बाजार घर से बहुत दूर नहीं है। अयन और स्नेहा दोनों पिताजी के साथ पैदल ही बाजार के लिए निकल पड़े। शाम का समय था। बाजार में काफी भीड़ थी। सड़क के

दोनों किनारे दुकानों में रंग-बिरंगी और विविध आकार की पिचकारियाँ सजी हुई थीं। सभी दुकानों के सामने लाल, पीला, हरा, नीला आदि सभी प्रकार के रंग सजाकर रखे हुए थे। कहीं-कहीं कागज की

बनी हुई रंग-बिरंगी टोपियाँ और अलग-अलग प्रकार के मुखौटे भी टंगे हुए थे। पूरे बाजार में होली की रौनक दिखाई दे रही थी।

स्नेहा और अयन ने पिताजी से कहकर अपनी-अपनी पसंद की पिचकारियाँ खरीदीं। उन्होंने बहुत सारे रंग और गुलाल भी खरीदे। सारा सामान खरीदने के बाद वे लोग टहलते हुए घर की ओर चल पड़े।

स्नेहा ने पैदल चलते हुए पिताजी से पूछा - "पिताजी, हम होली में रंगों से क्यों

खेलते हैं?" पिताजी ने उसे प्यार से समझाया, "बेटी, होली हर्ष और उल्लास का त्योहार है। होली के दिन हम सभी पुरानी कटुता भुलाकर एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाते हैं। इसीलिए इसे रंगों का त्योहार भी कहा जाता है। यह त्योहार प्रेम, एकता और भाइचारे का प्रतीक है। हमारे देश में मनाए जाने वाले ईद, क्रिसमस, दिवाली, दशहरा आदि विभिन्न त्योहारों में से एक महत्वपूर्ण त्योहार है - 'होली'। यह पर्व पूरे भारतवर्ष में फाल्गुन महीने की पूर्णिमा के दिन उल्लास पूर्वक मनाया जाता है। होली के दिन सभी के घरों में

तरह–तरह के पकवान और मिठाइयाँ भी बनाई जाती हैं।''

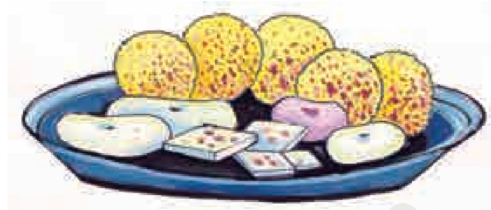

''पिताजी, पिछले वर्ष होली के दिन शाम को बाजार के चौराहे पर बहुत बड़ी आग भी जलाई गई थी। वहाँ कुछ लोग ढोल बजाकर गाना भी गा रहे थे। वह गीत हमें अभी भी याद है–

आई फाग की बयार
उड़े रंगों की फुहार
आओ, मिलके नाचें–गाएँ
आया होली का त्योहार। आज होली है... ।''

''होली में आग क्यों जलाई जाती है ?'' इस बार अयन ने पूछा।

''अच्छा, तुम्हें वह आग जलाने का दृश्य याद है। उसे 'होलिका दहन' कहा जाता है। होली के एक दिन पहले लोग चौराहे पर लकड़ी आदि इकट्ठा करके उसे जलाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इससे दुष्ट शक्तियों का नाश होता है।''

होली के बारे में बातचीत करते हुए अयन और स्नेहा कब घर के नजदीक पहुँच गए उन्हें पता ही नहीं चला। घर जाकर स्नेहा ने अपने सभी दोस्तों को अपनी नई पिचकारी दिखाई। सभी बच्चे बहुत खुश थे और कल का इंतजार करने लगे।

1. उत्तर दो :

क) होली में हम क्या करते हैं ?

ख) होली कब मनाई जाती है ?

ग) बाजार में क्या-क्या सामान बिक रहा था ?

घ) स्नेहा और अयन ने क्या-क्या खरीदे ?

ङ) होलिका दहन में क्या होता है ?

2. उत्तर लिखो :

क) स्नेहा को क्या चाहिए था ?

ख) पिताजी के साथ कौन-कौन बाजार गए ?

ग) किस उत्सव को 'रंगों का त्योहार' कहा जाता है ?

घ) सड़क के किनारे दुकानों में क्या सजी हुई थी ?

ङ) होलिका दहन में लोग ढोल बजाकर क्या कर रहे थे ?

3. होली में प्रयोग होने वाली विभिन्न चीजों की एक सूची बनाओ।

4. आओ, रंगों को पहचानें :

नीचे दी गई रंगोली में कौन-कौन-से रंग हैं, बताओ और खाली जगहों में रंगों के नाम लिखो:

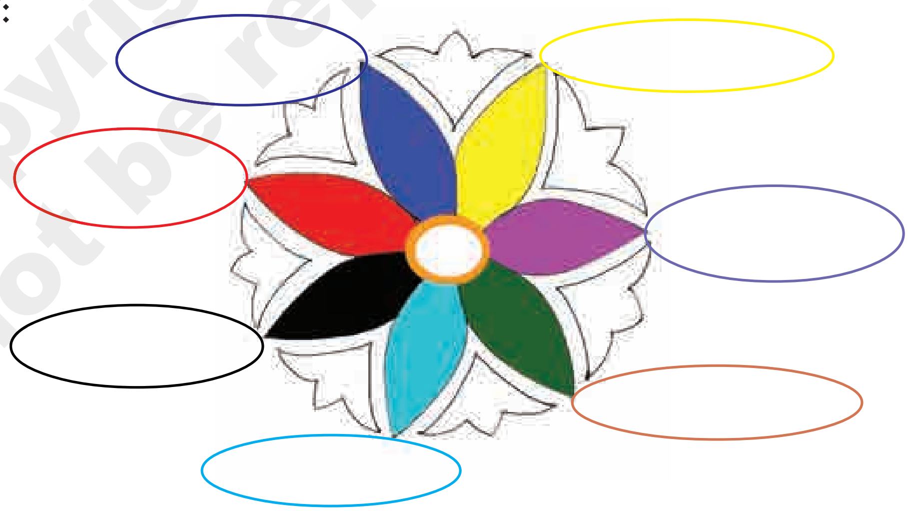

5. आओ, बातचीत करें :

(क) होली के अलावा हमारे देश में और कौन-कौन से उत्सव मनाए जाते हैं ?

(ख) तुम होली के दिन क्या-क्या करते हो ?

(ग) विभिन्न उत्सवों के अवसर पर तुम्हारे घर में क्या-क्या पकवान बनते हैं ?

6. आओ, नीचे की तालिका में उत्सवों के नाम लिखें :

घर में मनाए जाने वाले उत्सव	विद्यालय में मनाए जाने वाले उत्सव	सामूहिक-सामाजिक रूप में मनाए जाने वाले उत्सव

7. आओ, हमारे देश में मनाए जाने वाले कुछ त्योहारों के बारे में चर्चा करें और उन त्योहारों से संबंधित गीत-कथा आदि का संग्रह कर अपने दोस्तों को सुनाएँ :

क्रिसमस

ईद

बिहु

दशहरा

दिवाली

8. वाक्य बनाओ :

उत्सव   रंग-बिरंगी   पिचकारी   हर्ष   गुलाल

Copyright- SCERT, Assam not to be republished

9. आओ, निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित शब्दों को पढ़ें और समझें :

(क) स्नेहा ने एक लंबी पिचकारी ली।

(ख) अयन ने एक बात पूछी।

(ग) रीमा ने स्नेहा के साथ मिठाई खाई।

अब तुम भी खाली जगहों में 'ने' लिखकर वाक्यों को पढ़ो और समझो :

(क) बिल्ली .... चूहा खाया।

(ख) रियान .... रोटी खाई।

(ग) राम ....पुस्तक पढ़ी।

(घ) रेहना .... भात खाया।

10. आओ, पढ़ें, समझें और लिखें :

पिताजी बाजार जा रहे हैं।	माताजी बाजार जा रही हैं।
चाचाजी दिल्ली जा ....।	चाचीजी हमें गणित पढ़ा ....।
दादाजी कुर्सी पर बैठे हैं।	दादीजी टी.वी. देख ....।

11. आओ, 'एँ' (ें) लगाकर वचन बदलें :

बहन	बहनें	लहर	....
बात	....	तरंग	....

12. परियोजना :

असम की विभिन्न जनगोष्ठियों द्वारा मनाए जानेवाले कुछ त्योहारों के बारे में जानकारी प्राप्त करो और उनसे संबंधित चित्रों, गीतों, कथाओं को इकट्ठा कर परियोजना प्रस्तुत करो।

13. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

धमाल	= उछल-कूद	उल्लास	= आनंद	पकवान	= खाद्य पदार्थ
जिद	= हठ	त्योहार	= उत्सव	चौराहा	= जहाँ चार रास्ते मिलते हों
मुखौटे	= नकाब	कटुता	= बैर-भाव	इकट्ठा	= एकत्र
रौनक	= चहल-पहल	प्रतीक	= निशानी	दुष्ट	= अनिष्टकारी
हर्ष	= खुशी			नजदीक	= पास, निकट

Copyright- SCERT, Assam
not be republished

पाठ-16 खेल और सेहत

कौन ऐसा बच्चा होगा, जिसका मन खेलने के लिए न मचलता हो ? खेलने का आनंद ही अनोखा है। खेल हमारा मनोरंजन करता है। इसके अलावा यह हमारे मन को तरोताजा भी करता है। यह हमारे शरीर में स्फूर्ति और उल्लास भर देता है। खेलने से हमारी सेहत भी अच्छी रहती है। अपने आस-पास किसी को खेलते हुए देखकर हमारा मन भी खेलने के लिए मचलने लगता है।

कुछ बच्चे पूरा दिन 'टी.वी.' के सामने बैठकर अपना समय और सेहत खराब करते हैं। टी.वी. देखना बुरी बात नहीं है, लेकिन ज्यादा 'टी.वी.' देखना हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक है। ज्यादा 'टी.वी.' देखने के कारण हमारी आँखों की रोशनी कमजोर हो जाती है। छोटे-छोटे बच्चों को चश्मे लग जाते हैं। इससे हमें काफी परेशानी होती है।

हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित भोजन के साथ-साथ खेलना भी जरूरी है। इसके लिए हम अपनी पसंद का कोई भी खेल खेल सकते हैं, जैसे- क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, दौड़ लगाना

आदि। नियमित रूप से खेलने से हमारे अंदर जोश और उल्लास भर जाता है। यह खेल की ही देन है, जो मनोरंजन के साथ-साथ हमारे शरीर को भी स्वस्थ रखता है।

आजकल विशेषकर शहरों में रहने वाले बच्चे खेल का मतलब केवल 'कंप्यूटर' या 'वीडियो गेम' समझने लगे हैं। समय मिलते ही वे हाथों में 'रिमोट' लेकर 'कंप्यूटर' या 'टी.वी.' के सामने बैठ जाते हैं। यह बहुत बुरी बात है। बड़े-बड़े डॉक्टर और वैज्ञानिक भी यह बात मानते हैं कि जो व्यक्ति रोज खेलते और सैर करते हैं, उन्हें कोई बीमारी आसानी से नहीं पकड़ सकती। जिस तरह पढ़ना हमारे लिए जरूरी है, उसी तरह खेलना भी हमारे लिए जरूरी है। अगर हमारी सेहत अच्छी रहेगी तभी हम कोई भी काम ठीक तरह से कर सकेंगे। कोई भी काम चाहे वह शारीरिक हो या दिमागी, बिना अच्छी सेहत के हम ठीक तरह से नहीं कर सकते।

आओ, आज हम सभी यह संकल्प लें कि जिस तरह हम रोज स्कूल जाते हैं, उसी तरह हम रोज मैदान में खेलने भी जाया करेंगे। खेल हमारी सेहत और मनोरंजन दोनों का ख्याल रखता है। इसलिए हमें खेल को जीवन का अंग बना लेना चाहिए।

अभ्यास-माला

1. आओ, पाठ के आधार पर खेल-कूद की उपयोगिता के बारे में चर्चा करें।

2. तुम कितने खेलों के बारे में जानते हो ? उनके नाम बताओ।

3. तुम्हें कौन-सा खेल सबसे अधिक पसंद है ? उस खेल के बारे में तीन वाक्य बोलो।

4. कुछ बाहरी खेल होते हैं, कुछ भीतरी खेल। यहाँ कुछ खेलों के नाम दिए गए हैं, बताओ, इनमें से कौन बाहरी और कौन भीतरी खेल हैं ?

फुटबॉल हॉकी लूडो क्रिकेट कैरम शतरंज

5. कौन किस खेल का खिलाड़ी है ? रेखा खींचकर मिलाओ :

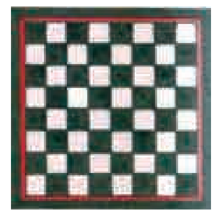

(क) जयंत तालुकदार	बैडमिंटन
(ख) दीपांकर भट्टाचार्य	क्रिकेट
(ग) मनालिसा बरुवा मेहता	शूटिंग
(घ) बाइचुंग भुटिया	आर्चरी
(ङ) अभिनव बिंद्रा	टेनिस
(च) सचिन तेंदुलकर	दौड़
(छ) ध्यानचंद	फुटबॉल
(ज) पी. टी. ऊषा	बॉक्सिंग
(झ) शिव थापा	हॉकी

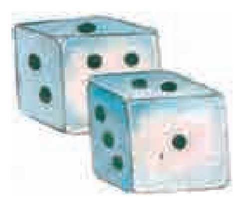

6. उत्तर दो :

(क) अधिक देर तक 'टी.वी.' देखने से क्या नुकसान होता है ?

(ख) खेलने के क्या-क्या फायदे हैं ?

(ग) डॉक्टर और वैज्ञानिक क्या मानते हैं ?

(घ) शरीर को स्वस्थ रखने के लिए क्या जरूरी है ?

(ङ) कुछ बच्चे हाथों में 'रिमोट' लेकर क्या करते हैं ?

(च) अपने अंचल के किसी एक प्रसिद्ध खिलाड़ी का नाम बताओ।

Copyright - SCERT Assam
not be republished

7. उत्तर लिखो :

(क) खेलने का आनंद कैसा है ?

(ख) खेल हमारे मन को क्या करता है ?

(ग) कुछ बच्चे पूरा दिन 'टी.वी.' के सामने बैठकर क्या करते हैं ?

(घ) किन्हीं चार खेलों के नाम लिखो।

8. किसी एक खेल के बारे में दस पंक्तियाँ लिखो :

9. आओ, सही शब्द चुनकर वाक्यों को फिर से लिखें :

(क) लड़का खेलता/खेलती है। ....

(ख) लड़की खेलता /खेलती है। ....

(ग) चिड़िया आकाश में उड़ता/उड़ती है। ....

(घ) घोड़ा दौड़ता/दौड़ती है। ....

(ङ) गाय घास खाता/खाती है। ....

10. आओ, इन वाक्यों को पढ़ें और समझें :

लड़का खेलता है।	लड़के खेलते हैं।
लड़की नाचती है।	लड़कियाँ नाचती हैं।

अब इन वाक्यों को पूरा करो :

(क) बकरा भागता है।	बकरे --------।
(ख) लड़की दौड़ती है।	लड़कियाँ------।
(ग) बच्चा रोता है।	बच्चे------।
(घ) चिड़िया उड़ती है।	चिड़ियाँ ----।
(ङ) कपड़ा सूखता है।	कपड़े -----।

Copyright: SCERT, Assam
not to be republished

11. नीचे दी गई क्रियाओं की सहायता से वाक्य बनाओ :

जाना : राम बाजार जाता है।

खेलना : लड़का ....

खाना : गाय ....

हँसना : फातिमा ....

उड़ना : चिड़िया ....

पढ़ना : हायला ....

12. आओ, जान लें :

लोग पहले ये खेल भी खेलते थे :

गुल्ली-डंडा, लुका-छुपी, ओका-बोका, गोली, कौड़ी।

⇒ **ये खेल कैसे खेले जाते थे? जानकारी प्राप्त करो।**

13. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर उनके साथ जुड़े खेलों के नाम लिखो :

Copyright SCERT, Assam
Not to be republished

14. आओ, चित्र देखकर नाम लिखें :

Copyright - SCERT Assam
not to be republished

15. निम्नलिखित पंक्तियों में उचित विराम-चिह्न लगाओ और सही ढंग से पढ़ो :

मधुस्मिता ने अपनी सहेली रिंकी से पूछा तुम सबसे अधिक कौन खेल पसंद करती हो रिंकी ने तुरंत कबड्डी खेल बताया मधुस्मिता रिंकी पिंकी और सुजान बातचीत करते करते अपने स्कूल पहुँचे

16. आओ, जानें :

बच्चो ! तुमने यह जरूर समझ लिया कि स्वास्थ्य ही धन है। खेल हमारे शरीर को तंदुरुस्त बनाए रखने में बड़े सहायक होते हैं। नियमित व्यायाम तन और मन को संतुलित रखता है।

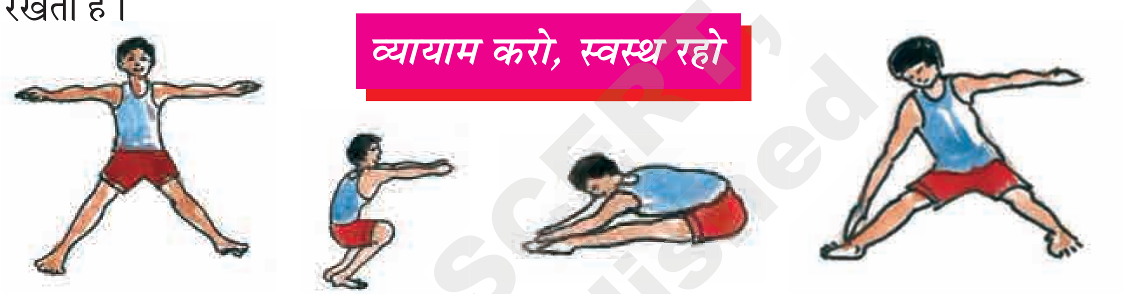

17. तुम अपने स्वास्थ्य का ध्यान कैसे रखते हो ? संक्षेप में लिखो।

....

....

18. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

अनोखा	=	अनूठा, निराला	सेहत	=	स्वास्थ्य
नुकसानदायक	=	क्षतिकारक	आँखों की रोशनी	=	दृष्टि
परेशानी	=	दिक्कत, असुविधा	मतलब	=	अर्थ
रोज	=	प्रत्येक दिन	संकल्प	=	प्रतिज्ञा

Copyright- SCERT, Assam not be republished

पाठों में निहित योग्यताएँ

पाठ	पाठ का नाम	योग्यताएँ
1.	हम होंगे कामयाब	➲ आत्मबल एवं आत्मविश्वास के द्वारा अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त करना। ➲ स्पष्ट उच्चारण एवं सही लय के साथ गीत गाने में दक्षता। ➲ इस प्रकार के अन्य गीतों को गाना एवं समझना।
2.	स्वर-माला	➲ कविता के माध्यम से स्वर वर्णों का ज्ञान। ➲ सही उच्चारण के साथ स्वर वर्णों को पढ़ना और सही-सही लिखना। ➲ स्वरों से बने नए-नए शब्दों से परिचित होना।
3.	धैर्य का पाठ	➲ कहानी को सुनना और समझना। ➲ दैनिक जीवन में व्यवहृत और अपने परिवेश में प्राप्त कुछ वस्तुओं एवं जीवों के नाम बता पाना। ➲ स्वरों की मात्राओं और व्यंजन वर्णों को पहचानना, पढ़ना तथा लिखना। ➲ सामान्य बातचीत करने की योग्यता प्राप्त करना। ➲ व्यंजन वर्णों से बने नए-नए शब्दों से परिचित होना।
4.	धरती माता का पत्र	➲ पर्यावरण को समझना और इसके संरक्षण हेतु सकारात्मक कार्य करना। ➲ अनौपचारिक पत्रों का ज्ञान। ➲ सभी मात्राओं को एक साथ पढ़ना, समझना और लिखना। ➲ बारहखड़ी का ज्ञान। ➲ मात्रायुक्त शब्द बनाना। ➲ सीखे हुए शब्दों से वाक्य बनाना। ➲ व्याकरण – विभक्ति-चिह्न 'को', 'से', विपरीतार्थक शब्द।
5.	लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै	➲ जीवनी सुनना, समझना और पढ़ना। ➲ बातचीत में हिस्सा लेना। ➲ सभी वर्णों एवं संयुक्त वर्णों का अपेक्षित ज्ञान प्राप्त करना।
6.	आओ गिनती करें	➲ कविता के माध्यम से हिंदी संख्याओं (1-10) का ज्ञान। ➲ कविता का सस्वर वाचन करना, भाव समझना।
7.	गाँव की सैर	➲ बातचीत करने की क्षमता प्राप्त करना। ➲ फल-फूल, साग-सब्जी आदि के नाम जानना। ➲ व्याकरण – विभक्ति के चिह्नों के प्रयोग।
8.	हिंद देश के निवासी	➲ हाव-भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन।

Copyright SCERT, Assam not be republished

पाठ	पाठ का नाम	योग्यताएँ
9.	चलो, तेजपुर चले	➲ भारत की अनोखी संस्कृतियों से परिचित होना, देश की एकता एवं अमूल्य धरोहरों को पहचानना एवं आत्मगौरव का अनुभव करना। ➲ व्याकरण – लिंग, वचन, क्रिया। ➲ भ्रमण से प्राप्त फायदे को जानना और अपने जीवन में अमल करना। ➲ बातचीत में भाग ले पाना। ➲ पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे पाना। ➲ गिनती का ज्ञान (1–50)
10.	बाघ और बटोही	➲ चित्रों को देखकर और समझकर उसके बारे में बता पाना। ➲ आस-पास की वस्तुओं पर अपनी अभिव्यक्ति दे पाना। ➲ व्याकरण – क्रिया, कर्म कारक, समानार्थक शब्द।
11.	प्रकृति का संदेश	➲ प्रकृति से संदेश प्राप्त करना। ➲ प्रकृति के संदर्भ में बातचीत करने की क्षमता। ➲ मूल्यबोध। ➲ व्याकरण – लिंग, संज्ञा, सर्वनाम, समानार्थक शब्द।
12.	अभ्यास की महिमा	➲ कहानी पढ़कर अभ्यास की महिमा को समझ पाना और अपने व्यावहारिक जीवन में अमल करना। ➲ आँखों-देखी या कानों-सुनी कथा-कहानी संक्षेप में बता पाना। ➲ संयुक्ताक्षरों को दोहराना/पर्यायवाची शब्दों का ज्ञान।
13.	मन के जीते जीत	➲ राष्ट्र-प्रेम, राष्ट्रीय पर्वों के बारे में ज्ञान प्राप्त करना। ➲ विशेष ध्यान देने योग्य व्यक्तियों के अधिकारों को समझना। ➲ पुनर्चर्चा – लिंग।
14.	मैं सबसे छोटी होऊँ	➲ बचपन की अनुभूतियों को समझ पाना। ➲ कविता के सही उच्चारण के साथ वाचन एवं भाव समझना। ➲ हिंदी के कुछ कवि-कवयित्रियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना। ➲ पुनर्चर्चा – लिंग, वचन, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द।
15.	होली आई रे	➲ भारतीय त्योहारों के बारे में जानकारी प्राप्त करना। ➲ त्योहारों में सक्रिय भूमिका निभाना। ➲ त्योहारों के उद्देश्यों से परिचित होना। ➲ पुनर्चर्चा – लिंग, वचन और कारक।
16.	खेल और सेहत	➲ खेलकूद और स्वास्थ्य के प्रति जागरुक होना। ➲ खेल और खिलाड़ियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना। ➲ पुनर्चर्चा – लिंग, वचन, क्रिया।

Copyright SCERT, Assam not be republished

आओ, निर्मल असम बनाएँ

स्वच्छता की ओर एक कदम

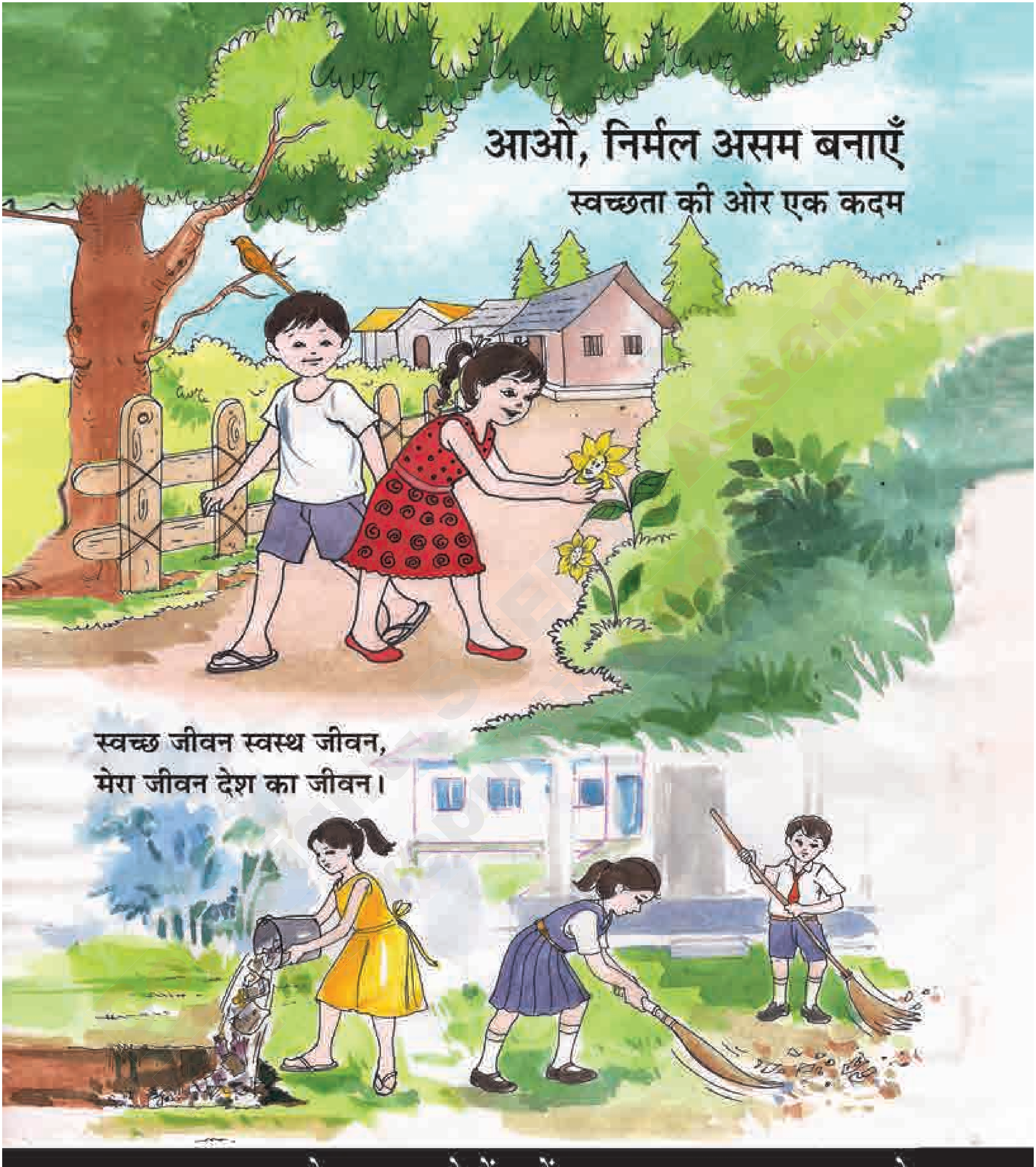

कूड़ा-करकट कूड़ेदान या गड्ढे में डालें। घर या स्कूल साफ-सुथरा रखने के साथ ही अपने पड़ोस और चहारदीवारी को भी साफ-सुथरा रखें।

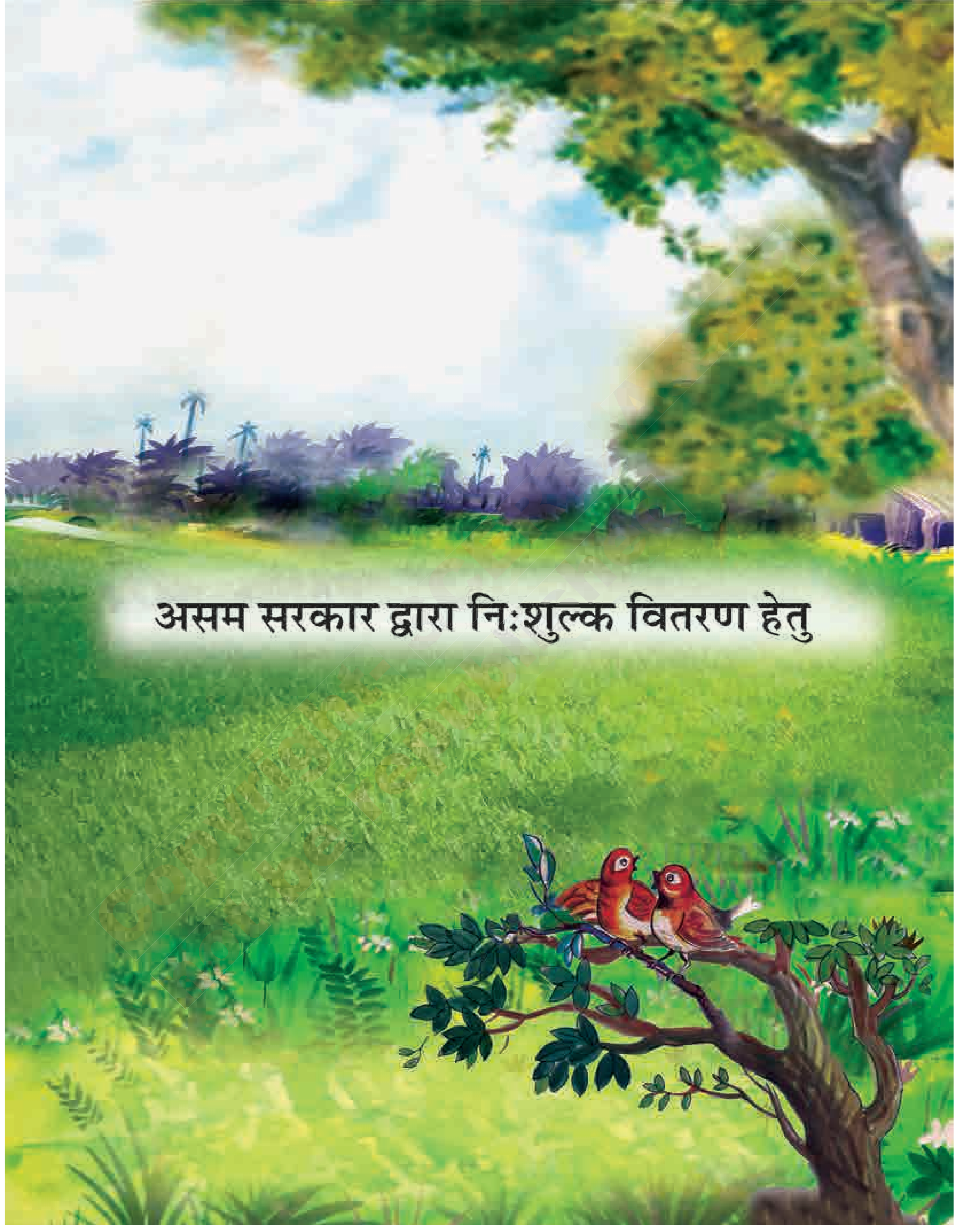

असम सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण हेतु